दैनिक
पंचकूला ऑब्जर्वर
सच की सीधी आवाज

सुविचार

सफलता की शुरुआत आपके विचारों से ही होती है, इसलिए बड़ा सोचें और मेहनत जारी रखें।

...पेज 4 पर

वर्ष : 1 | अंक : 3 | पंचकूला। शनिवार, 7 फरवरी 2026 | www.panchkulaobserver.com | मूल्य : 3 रुपए | RNI No. : HRBIL/25/4317 | पृष्ठ : 4

एक नजर

डोर टू डोर गारबेज कलेक्टरों के लिए खरीदे जाएंगे नये लघु वाहन

चंडीगढ़। चंडीगढ़ शहर में डोर-टू-डोर कूड़ा उठाने वाले गारबेज कलेक्टरों की मदद के लिए खरीदी गई 522 रेहड़ियां अब काम के योग्य नहीं रह गई हैं। इनके नकारा होने की वजह से अब घर-घर से कूड़ा उठाने वाले गारबेज कलेक्टरों को अपने काम में परेशानी आ रही है। इसका खामियाजा शहर की जनता को भी भुगतना पड़ रहा है। इसलिए नगर निगम की तरफ से अब इनकी एवज में नये उतने ही व्हीकल खरीदने की तैयारी चल रही है। इससे संबंधित प्रस्ताव नगर निगम सदन की विगत बैठक में पारित हो चुका है।

घर में गाड़ी पार्क करने के बहाने ले उड़ा स्विफ्ट कार

पंचकूला। शातिर चोर अपने मंसूबे को अंजाम देने में जरा भी नहीं चूकते, भले ही उन्हें कोई मदद के पुकारता ही क्यों ना हो। ऐसा ही मामला पंचकूला में सामने आया जहां मौकापरस्त चोर एक महिला की मदद के बहाने उसकी स्विफ्ट कार ले उ?ा। गनीमत रही कि पंचकूला पुलिस की मुस्तैदी से चोर चंद समय में ही पकड़ा गया।

तहसीलदार व नायब तहसीलदार की हड़ताल, 91 रजिस्ट्री पेंडिंग, लोग परेशान

प्रदेश के चार तहसीलदारों को सस्पेंड करने के खिलाफ जता रहे हैं नाराजगी

संजीत कुमार सिंह,

पंचकूला। तहसीलदार व नायब तहसीलदार के हड़ताल पर चले जाने के कारण रजिस्ट्रियां अटक गई हैं। पंचकूला जिले में अब तक 91 रजिस्ट्री पेंडिंग चल रही हैं। वीरवार को पंचकूला जिले में 24 लोगों ने रजिस्ट्री के लिए टोकन लिया, लेकिन कोई रजिस्ट्री दर्ज नहीं हुई। प्रदेश भर में चल रही तहसीलदार व नायब तहसीलदार की हड़ताल के कारण सरकार को राजस्व का नुकसान तो उठाना पड़ ही रहा है, इसके साथ ही लोगों को भी काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। युवाओं को भी डोमिसाइल के लिए चक्कर लगाने पड़ रहे हैं। क्योंकि आनलाइन आवेदन युवाओं द्वारा कर दिया गया, लेकिन अब तहसीलदार के द्वार उन्हें अप्रूव नहीं किया जा रहा है। प्रदेश में फिलहाल एचपीएससी और एचएसएससी की ओर से भर्ती निकाली गई हैं, जिसके चलते युवा परेशान हैं।

हरियाणा के गुरुग्राम के वजीराबाद में नायब तहसीलदार, नारायणगढ़ के नायब तहसीलदार संजीव अत्री व पंचकूला के रायपुररानी तहसीलदार विक्रम सिंगला को सस्पेंड किए जाने के बाद तहसीलदार व नायब तहसीलदार नाराज हैं। रेवेन्यू आफिसर एसोसिएशन के अनुसार उन पर कार्रवाई करके भय का माहौल बनाया जा रहा है। ऐसे हालात में उनके लिए काम कर पाना मुश्किल हो रहा है।

जिस जमीन की रजिस्ट्री के लिए तहसीलदार विक्रम सिंगला को गिरफ्तार किया गया है, वो पर्ल ग्रुप से जु?ी है। ये 17 बीघा जमीन भी रायपुररानी में ही स्थित है। एसीबी के मुताबिक, 2017 में सीबीआई जांच के बाद सुप्रीम कोर्ट ने इस जमीन पर स्टे लगाया था। इसके बाद भी तहसीलदार विक्रम ने जमीन की रजिस्ट्री हांसी के ब?ाला गांव के रहने वाले नवीन के नाम पर कर दी। विक्रम सिंगला को 31 जनवरी को गिरफ्तार किया था। जिसके बाद विभाग ने 3 फरवरी को सस्पेंड भी कर दिया।

हरियाणा सरकार ने मंगलवार को यहां एम.जी. रोड पर कथित तौर पर अवैध संपत्ति के पंजीकरण मामले में वजीराबाद के नायब तहसीलदार को निलंबित कर दिया। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। शाम के समय वित्त आयुक्त एवं सचिव (राजस्व) सुमिता मिश्रा ने निलंबन आदेश जारी किए। जांच में पाया गया कि ये पंजीकरण 'नगर एवं ग्रामीण नियोजन' (टीसीपी) विभाग द्वारा जारी निर्देशों का उल्लंघन करते हुए किए गए थे। एसोसिएशन ने आरोप लगाया कि भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम, 1988 की धारा 17ए के तहत लोक सेवकों को प्राप्त वैधानिक संरक्षणों को नजरअंदाज कर जांच और कार्रवाई शुरू की गई, जबकि कानून के अनुसार कर्तव्य निर्वहन से जुड़े मामलों में जांच से पहले सक्षम प्राधिकारी की अनुमति आवश्यक है। ज्ञापन में कहा गया कि स्टाम्प शुल्क के कथित कम मूल्यांकन से जुड़े मामलों को भारतीय स्टाम्प अधिनियम की धारा 47ए के तहत निपटाने के बजाय उन्हें आपराधिक रंग दिया जा रहा है। एसोसिएशन का कहना है कि ऐसे मामलों के लिए कानून में पहले से स्पष्ट प्रक्रिया तय है। एसोसिएशन ने स्पष्ट किया कि यदि सरकार ने शीघ्र हस्तक्षेप नहीं किया, तो पंजीकरण कार्य से जुड़ा पेन-डाउन आंदोलन आगे भी जारी रह सकता है। अधिकारियों ने कहा कि उनका उद्देश्य टकराव नहीं, बल्कि कानून के शासन और ईमानदार अधिकारियों के वैधानिक संरक्षण की रक्षा करना है।

ओवरस्पीड कार की टक्कर से स्कूटी सवार महिला की मौत, पति गंभीर घायल

पंचकूला। पंचकूला में तेज रफ्तार कार की टक्कर से स्कूटी सवार दंपती हादसे का शिकार हो गया। दुर्घटना में 62 वर्षीय महिला की मौत हो गई, जबकि उनके पति गंभीर रूप से घायल हो गए। घायल दंपती को उपचार के लिए सेक्टर-6 स्थित सामान्य अस्पताल में भर्ती करवाया गया, जहां डॉक्टरों ने महिला को मृत घोषित कर दिया।

जानकारी के अनुसार अंबाला के गरनाला गांव निवासी प्रेमचंद अपनी पत्नी सुनीता के साथ शुक्रवार को स्कूटी पर सवार होकर पंचकूला के छोटा त्रिलोकपुर स्थित देवी मंदिर में दर्शन के लिए आ रहे थे। जैसे ही उनकी स्कूटी मौली गांव के पास पहुंची, तभी एक ओवरस्पीड कार ने उन्हें जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी तेज थी कि दोनों सड़क पर गिर पड़े।

हादसे के बाद मौके पर मौजूद राहगीरों ने तुरंत दोनों को सेक्टर-6 के सामान्य अस्पताल पहुंचाया। अस्पताल में डॉक्टरों ने महिला सुनीता को मृत घोषित कर दिया, जबकि उनके पति प्रेमचंद का उपचार जारी है।

मृतका सुनीता के दो बच्चे हैं। बेटा यूके में नौकरी करता है, जबकि बेटी की शादी हो चुकी है। पति प्रेमचंद आर्मी से सेवानिवृत्त हैं और वर्तमान में अंबाला की एक निजी कंपनी में सिक्योरिटी गार्ड के रूप में कार्यरत हैं।

रायपुर रानी थाना के जांच अधिकारी अनवर ने बताया कि सूचना मिलने पर पुलिस टीम मौके पर पहुंची। शव का पोस्टमार्टम करवा कर परिजनों को सौंप दिया गया है। वहीं तेज रफ्तार से कार चलाकर हादसा करने वाले चालक के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया गया है। आरोपी चालक की तलाश की जा रही है।

फिर मिली सेक्टर-43 स्थित जिला अदालत को बम से उड़ाने की धमकी

चंडीगढ़। चंडीगढ़ में तीसरी बार सेक्टर-43 स्थित जिला अदालत को बम से उड़ाने की धमकी मिली है। इसके बाद सूचना मिलते ही मौके पर चौकी 43 की पुलिस और बम स्क्वॉड के साथ अधिकारी पहुंचे। इसके बाद चेकिंग अभियान चलाया गया। यह पहली बार नहीं है; पहले भी स्कूलों, सचिवालय और बस अड्डों को ऐसी धमकियां मिल चुकी हैं। पुलिस ईमेल की जांच कर रही है और सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई है। साथ ही जिला अदालत की जांच की गई लेकिन पुलिस को वहां से कुछ नही मिला।

जिला अदालत को तीसरी बार बम से उड़ाने की धमकी मिल चुकी है, लेकिन चंडीगढ पुलिस अभी तक ये नही पता लगा पाई है कि इसके पीछे कौन है।

2 बार हाईकोर्ट को मिली धमकी

पंजाब एंड हरियाणा हरियाणा हाईकार्ट को भी दो बार बम से उडाने की धमकी मिल चुकी है दोनों बार इमेल के जरिये धमकी दी गई है। जिसे लेकर पुलिस स्टेशन 3 में केस दर्ज कर मामले की जांच की जा रही है थाना पुलिस के अलावा साइबर सेल भी मामले की जांच कर रही है।

बिल्डिंग में होगा बम धमाका

शुक्रवार को एक बार फिर ई-मेल आया, जिसमें लिखा है कि सेक्टर-43 स्थित जिला अदालत की बिल्डिंग में बम धमाका होगा। इससे पुलिस और प्रशासन अलर्ट हुआ। चेकिंग अभियान चलाया। ई-मेल को लेकर जांच पड़ताल की जा रही है। जिला अदालत और सेक्रेटरिएट की बिल्डिंग से लेकर, बस अड्डे और स्कूलों में बम धमाके की धमकी भरे ई-मेल आ चुके हैं। हाल ही में बम धमाके की धमकी से 26 स्कूलों में अफरा-तफरी मच गई थी। कई स्कूलों ने छुट्टी घोषित कर दी थी।

पंजाब विश्वविद्यालय का 15वां रोज़ फेस्टिवल शुरू, 92 श्रेणियों में 500 प्रतिभागियों ने दिखाई फूलों की बहार

चंडीगढ़, 6 फरवरी। पंजाब विश्वविद्यालय के प्रो. आर.सी. पॉल रोज़ गार्डन में शुक्रवार को 15वें पीयू रोज़ फेस्टिवल का भव्य शुभारंभ हुआ। तीन दिवसीय इस महोत्सव के पहले ही दिन बड़ी संख्या में शिक्षक, कर्मचारी, छात्र और शहरवासी पहुंचे। उद्घाटन दिवस पर करीब 500 प्रतिभागियों ने 92 विभिन्न श्रेणियों में अपने पुष्प प्रदर्शनों के जरिए अपनी रचनात्मकता का प्रदर्शन किया।

फेस्टिवल का उद्घाटन पीयू की डीन यूनिवर्सिटी इंस्ट्रक्शन प्रो. योजना रावत ने किया, जबकि कुलसचिव प्रो. वाई.पी. वर्मा बतौर मुख्य अतिथि पउपस्थित रहे। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के वरिष्ठ अधिकारी और पूर्व पदाधिकारी भी मौजूद थे।

उद्घाटन के बाद मुख्य अतिथि और अन्य पगणमान्य व्यक्तियों ने रोज़ गार्डन और विभिन्न विभागों व सहयोगी संस्थाओं द्वारा लगाई गई प्रदर्शनी का अवलोकन किया। प्रो. योजना रावत ने उद्यान के उत्कृष्ट रखरखाव के लिए बागवानी विभाग की सराहना करते हुए कहा कि यह वार्षिक उत्सव विभाग के कार्यों को सम्मान देने के साथ-साथ पर्यावरण के प्रति जागरूकता भी बढ़ाता है।

फेस्टिवल के आयोजक और कार्यकारी अभियंता-ढ्ढढ्ढ एर. अनिल ठाकुर ने कुलपति, विश्वविद्यालय प्रशासन और सभी सहयोगी संस्थाओं का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि रोज़ फेस्टिवल विश्वविद्यालय का एक अनूठा आयोजन है, जिसमें शिक्षण एवं गैर-शिक्षण कर्मचारी, उनके बच्चे और छात्र पूरे उत्साह के साथ भाग लेते हैं। उन्होंने बागवानी विभाग द्वारा उच्च मानकों को बनाए रखने की प्रतिबद्धता दोहराई। महोत्सव स्थल पर खान-पान, किताबों, हस्तशिल्प और स्वास्थ्य उत्पादों के कई स्टॉल लगाए गए, जिन पर दिनभर अच्छी खासी भीड़ देखने को मिली।

VISHVAS FOUNDATION | PCCI | Amartex Amar Prayas Foundation | Progressive Punjabi Sabha Panchkula | Rotary Blood Bank Society

Blood Donation Camp

INVITATION

On the occasion of social service and humanity, Amartex Amar Prayas Foundation is organizing a Blood Donation Camp and cordially invites you to be a part of this noble cause.

Saturday, 07th Feb 2026 11:00 am Onwards

Venue: Amartex Headquarters, Plot No. 365, Phase-1 Ind. Area, Panchkula, Haryana

In Reverent Memory of

Late Shri Amarnath Grover
& Late Smt. Janak Dulari Grover

COME FORWARD • DONATE BLOOD • SAVE LIVES

Sadhvi Neelima Vishvas
President, Vishvas Foundation, Panchkula

Acharya Manish Ji
Founder Jeena Seekho

Baba Gurdev Singh Ji
Gurudwara Nanaksar Chandigarh tricity

"आदरणीय साध्वी नीलिमा विश्वास दीदी जी, आचार्य मनीष जी एवं बाबा गुरदेव सिंह जी के शुभ आशीर्वाद एवं गरिमामयी उपस्थिति में यह कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है।"

Event Proudly Organized By:

Mr. Arun Grover — CMD & Co-Founder, Amartex Group
Mrs. Niti Sarin — Security, Blood Centre, Sector 37
Mr. Vrun Grover — Executive Director
Mr. Karan Grover — Director Operations
Mr. Shivam Grover — Finance Director

Single Donation can be a Lifeline for Someone in Need

For Information & Coordination: +91 9056114931

Amartex — BRAND TRUSTED BY MILLIONS

Our Media Partner: Panchkula Observer Live News

न्यायालय आदेशों की अवहेलना और प्रशासनिक निष्क्रियता से चंडीगढ़ की विरासत खतरे में: गर्ग

फेज-1 में बड़े निर्माण प्रस्ताव पर सवाल, सेकंड इनिंग्स एसोसिएशन ने जताई चिंता

चंडीगढ़, 6 फरवरी। सेकंड इनिंग्स एसोसिएशन ने चंडीगढ़ के भविष्य और उसकी नियोजित विरासत को लेकर गहरी चिंता जताई है। एसोसिएशन के अध्यक्ष आर. के. गर्ग ने आरोप लगाया कि चंडीगढ़ प्रशासन की निष्क्रियता, चयनात्मक निर्णय-प्रक्रिया और न्यायालयी निर्देशों की अनदेखी के कारण शहर गंभीर नियोजन संकट की ओर बढ़ रहा है।

आर. के. गर्ग ने कहा कि लगभग तीन वर्ष पूर्व माननीय सर्वोच्च न्यायालय ने एक विशेष अनुमति याचिका (एस एल पी) का निपटारा करते हुए चंडीगढ़ के फेज़-1 में फ्लोर एरिया रेशियो (एफ ए आर) को फ्रीज़ करने और संपत्तियों के शेयर-वाइज़ विभाजन पर पूर्ण प्रतिबंध लगाने के स्पष्ट आदेश दिए थे। फेज़-1 की विरासतगत और संवेदनशील प्रकृति को देखते हुए इस विषय को चंडीगढ़ हेरिटेज कंज़र्वेशन कमेटी (सीएचसीसी) को सौंपा गया था, ताकि शहर की मूल नियोजन अवधारणा सुरक्षित रह सके। हालांकि, एसोसिएशन का आरोप है कि बीते तीन वर्षों में प्रशासन ने न तो सीएचसीसी के माध्यम से कोई ठोस प्रक्रिया आगे बढ़ाई और न ही नीति-निर्माण को सर्वोच्च न्यायालय या पंजाब एवं हरियाणा उच्च न्यायालय के निर्देशों के अनुरूप ढाला। यह देरी आकस्मिक नहीं, बल्कि सुनियोजित टालमटोल प्रतीत होती है। इसी निष्क्रियता को ढकने के लिए अब ÷स्थान-संकट÷ का नैरेटिव गढ़ा जा रहा है। इसके तहत फेज़-1 में माननीय उच्च न्यायालय के लिए लगभग 20 लाख वर्ग फुट अतिरिक्त निर्माण का प्रस्ताव सामने आया है। आर. के. गर्ग के अनुसार, चंडीगढ़ के 75 वर्षों के नियोजित इतिहास में फेज़-1 के भीतर इतने बड़े पैमाने पर निर्माण का कोई उदाहरण नहीं है। यह प्रस्ताव न केवल सर्वोच्च न्यायालय द्वारा लगाए गए एफएआर फ्रीज़ की भावना के खिलाफ है, बल्कि शहर की विरासत-आधारित नियोजन व्यवस्था पर सीधा हमला भी है।

एसोसिएशन ने यह भी सवाल उठाया कि जहां फेज़-1 से जुड़े मामलों पर निर्णय टाले जा रहे हैं, वहीं औद्योगिक क्षेत्र में एफएआर बढ़ाने के लिए समितियां गठित की जा रही हैं, जबकि फेज़-1 स्वयं 10 जनवरी 2023 के निर्णय में न्यायालयी परीक्षण का विषय रहा है। इसे चयनात्मक नीति-निर्माण का उदाहरण बताया गया है।

इसके अलावा, चंडीगढ़ हाउसिंग बोर्ड को मूल्यवान सार्वजनिक भूमि निजी बिल्डरों को बेचने की अनुमति देने पर भी गंभीर सवाल खड़े किए गए हैं। पूर्व में नगर निगम द्वारा ऐसे प्रयास कानूनी और प्रशासनिक बाधाओं के कारण विफल रहे थे, लेकिन अब वही बाधाएं अचानक दरकिनार कैसे हो गईं, यह एक अहम प्रश्न बना हुआ है।

आर. के. गर्ग ने कहा कि इन सभी घटनाक्रमों से एक चिंताजनक पैटर्न उभरता है–फेज़-1 में जानबूझकर निष्क्रियता, शहर पर कृत्रिम शहरी दबाव बनाना और फिर उसी दबाव के आधार पर तदर्थ व अपरिवर्तनीय निर्णयों को सही ठहराना। यह न केवल शहरी नियोजन की विफलता है, बल्कि न्यायालयी आदेशों की आत्मा के प्रति भी गंभीर अवमानना है।

उन्होंने चेतावनी दी कि यदि समय रहते हस्तक्षेप नहीं हुआ, तो चंडीगढ़ अपनी पहचान एक नियोजित विरासत शहर के रूप में खो सकता है और एक अव्यवस्थित शहरी प्रयोग बनकर रह जाएगा। एसोसिएशन ने स्पष्ट कहा कि यह समय मौन का नहीं, बल्कि जवाबदेही तय करने का है।

लकी ओबेरॉय हत्या केस: डीजीपी गौरव यादव ने घटनास्थल का लिया जायजा; दोषियों को कड़ी सजा दिलाने का दिया भरोसा

- मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान मामले की व्यक्तिगत रूप से कर रहे निगरानी: डीजीपी गौरव यादव

पंचकूला ऑब्जर्वर न्यूज

जालंधर, 6 फरवरी। पंजाब के पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) गौरव यादव ने आम आदमी पार्टी (आप) के पदाधिकारी सतविंदरपाल सिंह उर्फ लकी ओबेरॉय की हत्या से संबंधित चल रही जांच का जायजा लेने के लिए आज जालंधर में वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों के साथ उच्च-स्तरीय बैठक की। उन्होंने स्वयं घटनास्थल पर जाकर मौके का निरीक्षण भी किया।

घटनास्थल पर मीडिया से बातचीत करते हुए डीजीपी ने मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान के नेतृत्व वाली पंजाब सरकार के कानून-व्यवस्था बनाए रखने के दृढ़ इरादे को दोहराते हुए कहा कि इस अपराध के दोषियों को जल्द गिरफ्तार करके कानून के अनुसार मिसाली सजा दिलाई जाएगी। इस दौरान उनके साथ जालंधर की पुलिस कमिश्नर (सीपी) धनप्रीत कौर भी मौजूद थीं।

उन्होंने कहा, ''मुख्यमंत्री साहब व्यक्तिगत रूप से मामले की निगरानी कर रहे हैं और उन्हें लगातार घटनाक्रम के बारे में अपडेट दिए जा रहे हैं।''

जानकारी के अनुसार, सतविंदरपाल सिंह उर्फ लकी ओबेरॉय को शुक्रवार सुबह मॉडल टाउन, जालंधर के गुरुद्वारा सिंह सभा पार्किंग में एक सफेद एक्टिवा पर आए अज्ञात हमलावरों ने गोली मार दी थी, जब वह (लकी) माथा टेककर वापस जा रहे थे। पीड़ित ने बाद में दम तोड़ दिया।

डीजीपी गौरव यादव ने कहा कि जांच पेशेवर और वैज्ञानिक तरीके से की जा रही है। उन्होंने कहा, ''हमने अब तक हुई तफ्तीश की समीक्षा की है और संदिग्धों की सभी पिछली और हाल की गतिविधियों पर नजर रखी जा रही है।'' उन्होंने आगे बताया कि पुलिस टीमों ने तकनीकी विश्लेषण के माध्यम से जांच को आगे बढ़ाने के लिए मोबाइल टावर डंप्स से जानकारी भी जुटाई है। डीजीपी ने कहा, ''अपराध की गुत्थी सुलझाने के लिए गहन जांच की जा रही है।'' वर्तमान स्थिति के बारे में विवरण साझा करते हुए सी.पी. धनप्रीत कौर ने कहा कि प्रारंभिक जांच में पता चला है कि दोनों दोषी जिन्होंने काली हूडियां पहनी हुई थीं, अपने एक्टिवा स्कूटर पर मौके से फरार हो गए।

सीएम भगवंत मान ने राज्य की शानदार सांस्कृतिक विरासत को बकरार रखने की प्रतिबद्धता दोहराई

महिंदर सिंह रंधावा साहित्य और कला उत्सव में हुए शामिल, महिंदर सिंह रंधावा को आधुनिक पंजाब का निर्माता बताया

पंचकूला ऑजर्वर

चंडीगढ़, 6 फरवरी। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने आज कहा कि पंजाब सरकार राज्य की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को आने वाली पीढ़ियों के लिए संरक्षित रखने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। मुख्यमंत्री ने पंजाब कला परिषद, चंडीगढ़ द्वारा आयोजित 'महिंदर सिंह रंधावा साहित्य और कला उत्सव' के दौरान सभा को संबोधित करते हुए कहा कि पंजाब शुरू से ही सभ्यता का केंद्र रहा है। उन्होंने कहा कि यह बहुत गर्व और संतुष्टि की बात है कि हमें कठिन परिश्रम और साहस के साथ-साथ एक समृद्ध विरासत मिली है। पंजाब कला परिषद के अधिकारियों का धन्यवाद करते हुए भगवंत सिंह मान ने कहा कि ऐसी कोशिशें समय की मांग हैं ताकि हमारी युवा पीढ़ी को हमारी समृद्ध संस्कृति से परिचित करवाया जा सके।

मुख्यमंत्री ने कहा कि यह समारोह एक ऐसी शख्सियत को समर्पित है जिन्होंने पंजाब के लोगों के अंदर उम्मीद की किरण जगाई थी। डॉ. महिंदर सिंह रंधावा को दिल की गहराइयों से याद करते हुए, भगवंत सिंह मान ने उन्हें 1947 की देश के विभाजन के बाद आधुनिक पंजाब का निर्माता बताया। उन्होंने कहा कि होशियारपुर जिले से संबंधित होने के कारण डॉ. रंधावा एक योग्य प्रशासक होने के साथ-साथ एक दार्शनिक भी थे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि डॉ. रंधावा सूझ और सहनशीलता जैसे गुणों से परिपूर्ण थे और उन्हें पता था कि यदि किसी कौम का पेट खाली है तो वह लड़ नहीं सकती, लेकिन यदि उसकी आत्मा खाली है तो वह समाप्त हो जाएगी। उन्होंने आगे कहा कि इसलिए एक तरफ डॉ. रंधावा ने पंजाब कृषि विश्वविद्यालय की स्थापना की और दूसरी तरफ उन्होंने पूरे पंजाब भर में चंडीगढ़ आर्ट गैलरी और सांस्कृतिक केंद्र स्थापित किए। भगवंत सिंह मान ने कहा कि जब भी हम पंजाब कृषि विश्वविद्यालय, किसानों, साहित्यकारों और 1947 के विभाजन के दौरान उजाड़े गए लोगों का साथ देने वाली शख्सियतों की बात करते हैं, तो हमारे मन में सिर्फ डॉ. रंधावा का नाम आता है। मुख्यमंत्री ने कहा कि पंजाब में हरित क्रांति का श्रेय डॉ. रंधावा को जाता है और उन्होंने कहा कि उस समय उनकी दूरदर्शी सोच के कारण पंजाब ने भारत को अकाल से बचाया। डॉ. रंधावा का धन्यवाद करते हुए उन्होंने कहा कि हरित क्रांति 'अनाज' और 'किसान' पर निर्भर करती है। भगवंत सिंह मान ने कहा कि आज का यह समारोह कोई राजनीतिक सभा नहीं है, बल्कि यह पंजाबी मातृभाषा और भाषा के विकास का उत्सव है। मुख्यमंत्री ने कहा कि हर व्यक्ति को अपनी मातृभाषा को हर माध्यम से प्रोत्साहित करना चाहिए, उन्होंने कहा कि इस नेक कार्य के लिए राज्य सरकार प्रतिबद्ध है। उन्होंने उनके जीवन और करियर पर कविता, साहित्य, कला और संस्कृति के गहरे प्रभाव को भी याद किया।

मीडिया और चुनाव पर संवाद: सीईओ पंजाब की पीयू छात्रों से बातचीत

पंचकूला ऑब्जर्वर न्यूज

चंडीगढ़, 6 फरवरी। पंजाब की मुख्य निर्वाचन अधिकारी (सीईओ) अनिंदिता मित्रा ने आज पंजाब विश्वविद्यालय के जनसंचार (मास कम्युनिकेशन) के 34 छात्रों के साथ एक जानकारीपूर्ण एवं संवादात्मक सत्र आयोजित किया। यह संवाद छात्रों के लिए मतदाता जागरूकता, चुनावी सहभागिता तथा समकालीन संचार प्रक्रियाओं से जुड़े विषयों पर खुलकर चर्चा करने का मंच बना।

इस सत्र में छात्रों ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए विशेष रूप से युवाओं और पहली बार मतदान करने वाले मतदाताओं में चुनाव संबंधी जागरूकता बढ़ाने के लिए आधुनिक संचार साधनों और जनसंपर्क रणनीतियों के प्रभावी उपयोग पर अपने विचार साझा किए। चर्चा के दौरान विभिन्न वर्गों तक पहुंच बनाने में मीडिया और डिजिटल प्लेटफॉर्म की बदलती भूमिका पर भी प्रकाश डाला गया। छात्रों को संबोधित करते हुए अनिंदिता मित्रा ने लोकतांत्रिक व्यवस्था में जनसंचार माध्यमों की अहम भूमिका पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि सही और तथ्यात्मक जानकारी का प्रसार, जनमत निर्माण और नागरिकों को सूचित निर्णय लेने में सक्षम बनाना मीडिया की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी है। उन्होंने यह भी कहा कि जनसंचार के छात्र, भविष्य के मीडिया पेशेवर होने के नाते, चुनावी प्रक्रिया के दौरान नैतिक पत्रकारिता और जिम्मेदार संचार को बढ़ावा देने में अहम भूमिका निभाएंगे।

मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने पंजाब ने छात्रों को अपने शैक्षणिक ज्ञान और रचनात्मक कौशल का उपयोग करते हुए जागरूक जनभागीदारी को प्रोत्साहित करने तथा मीडिया कार्यप्रणाली में निष्पक्षता, पारदर्शिता और विश्वसनीयता के मूल्यों को बनाए रखने के लिए प्रेरित किया।

छात्रों ने मुख्य निर्वाचन अधिकारी, पंजाब से प्रत्यक्ष संवाद के अवसर के लिए आभार व्यक्त करते हुए इस सत्र को ज्ञानवर्धक और प्रेरणादायक बताया। यह संवाद चुनावी प्राधिकरणों और शैक्षणिक संस्थानों के बीच निरंतर संपर्क के महत्व को रेखांकित करता है, जिससे युवाओं को नागरिक दायित्वों और लोकतांत्रिक प्रक्रियाओं के प्रति संवेदनशील बनाया जा सके।

'गैंगस्टरां ते वार' का 18वां दिन: 601 स्थानों पर छापेमारी; 208 काबू

पुलिस टीमों ने 121 व्यक्तियों के खिलाफ की एहतियातन कार्रवाई, 284 की पुष्टि के बाद रिहा किया

- लोग एंटी-गैंगस्टर हेल्पलाइन नंबर 93946-93946 के द्वारा गुप्त रूप से गैंगस्टरों से संबंधित जानकारी दे सकते हैं
- 'युद्ध नशेयां विरुद्ध' के 342वें दिन 97 नशा तस्कर गिरफ्तार

चंडीगढ़, 6 फरवरी। मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान के निर्देशों के तहत शुरू की गई निर्णायक 'गैंगस्टरां ते वार' मुहिम के 18वें दिन, पंजाब पुलिस ने आज पूरे राज्य में गैंगस्टरों के सहयोगियों से जुड़े पहचाने गए और मैप किए गए ठिकानों पर 601 छापेमारी कीं। जानकारी के अनुसार, 'गैंगस्टरां ते वार'- पंजाब को गैंगस्टर मुक्त राज्य बनाने के लिए शुरू की गई यह निर्णायक लड़ाई 20 जनवरी, 2026 को डायरेक्टर जनरल ऑफ पुलिस (डीजीपी) पंजाब गौरव यादव द्वारा शुरू की गई थी। इसके तहत सभी जिलों की पुलिस टीमें एंटी गैंगस्टर टास्क फोर्स (एजीटीएफ) पंजाब के समन्वय से राज्य भर में विशेष कार्रवाइयाँ कर रही हैं। इस मुहिम के 18वें दिन, पुलिस टीमों ने 208 व्यक्तियों को गिरफ्तार किया और उनके कब्जे से 10 जिंदा कारतूसों सहित चार हथियार बरामद किए, जिससे मुहिम शुरू होने के बाद कुल गिरफ्तारियाँ 5,110 हो गई हैं। इस क अलावा 121 व्यक्तियों के खिलाफ एहतियातन कार्रवाई की गई, जबकि 284 व्यक्तियों की पुष्टि की गई और पूछताछ के बाद उन्हें छोड़ दिया गया। पुलिस टीमों की कार्रवाई के दौरान 7 भगोड़े अपराधियों को भी गिरफ्तार किया गया है।

वांछित अपराधियों/गैंगस्टरों के बारे में जानकारी और अपराध एवं आपराधिक गतिविधियों के बारे में सूचना देने के लिए लोग गुप्त रूप से एंटी-गैंगस्टर हेल्पलाइन नंबर 93946-93946 पर संपर्क कर सकते हैं।

उल्लेखनीय है कि पुलिस टीमों ने नशों के खिलाफ अपनी मुहिम 'युद्ध नशेयां विरुद्ध' को 342वें दिन भी जारी रखते हुए आज 97 नशा तस्करों को गिरफ्तार किया और उनके कब्जे से 1.6 किलोग्राम हेरोइन, 510 नशीली गोलियाँ/कैप्सूल और 4 लाख रुपये की ड्रग मनी बरामद की गई। इससे मात्र 342 दिनों में गिरफ्तार किए गए कुल ड्रग तस्करों की संख्या 47,954 हो गई है। 'डी-एडिक्शन' के हिस्से के रूप में, पंजाब पुलिस ने आज 24 व्यक्तियों को नशा छुड़ाने और पुनर्वास के लिए राजी किया है।

वित्त मंत्री चीमा ने ओ.टी.एस-2025 की सफलता की सराहना की; पंजाब ने 110 करोड़ रुपये वसूले और अंतिम तिथि में की बढ़ोतरी

पंचकूला ऑब्जर्वर न्यूज

चंडीगढ़, 6 फरवरी। पंजाब के वित्त, आबकारी एवं कराधान मंत्री हरपाल सिंह चीमा ने आज यहां 'एकमुश्त निपटारा योजना, 2025' (ओ.टी.एस-2025) की बड़ी सफलता का जिक्र करते हुए कहा कि इस योजना के द्वारा अब तक जहां राज्य सरकार को 110 करोड़ रुपये प्राप्त हो चुके हैं, वहीं राज्य के व्यापारी वर्ग को बड़ी वित्तीय राहत मिली है।

यहां जारी प्रेस विज्ञप्ति के द्वारा पंजाब के वित्त एवं आबकारी तथा कराधान मंत्री हरपाल सिंह चीमा ने बताया कि 01 अक्टूबर, 2025 को ओ.टी.एस-2025 की शुरुआत से लेकर अब तक कर विभाग को 7654 आवेदन प्राप्त हुए हैं, जिसके परिणामस्वरूप 38,477 करोड़ रुपये की अभूतपूर्व छूट दी गई है। उन्होंने जोर देकर कहा कि इस योजना को मिला भारी समर्थन मुख्यमंत्री भगवंत मान के नेतृत्व वाली पंजाब सरकार की उस नीति की सफलता को दर्शाता है, जो लंबी मुकदमेबाजी के बजाय स्वैच्छिक कर पालना को प्राथमिकता देती है।

संबंधित औद्योगिक संगठनों के सुझावों के प्रति सरकार के सकारात्मक रुख का जिक्र करते हुए वित्त मंत्री ने कहा कि इस योजना का लाभ लेने की अंतिम तिथि 31 दिसंबर, 2025 से बढ़ाकर 31 मार्च, 2026 कर दी गई है। उन्होंने कहा कि समय-सीमा में यह बढ़ोतरी योजना की सकारात्मक गति और औद्योगिक संगठनों की मांगों को ध्यान में रखते हुए किया गया है। उन्होंने कहा कि यह अतिरिक्त समय योग्य करदाताओं को अपनी देनदारियों का मूल्यांकन करने और पारदर्शी एवं सरल तरीके से निपटारा करने का पूरा अवसर प्रदान करेगा। कारोबार करने की सुगमता और व्यापार-अनुकूल कर माहौल सृजन की प्रतिबद्धता को दोहराते हुए वित्त मंत्री एडवोकेट हरपाल सिंह चीमा ने कहा कि ओ.टी.एस-2025 सभी श्रेणियों में ब्याज और जुर्माने में 100 प्रतिशत छूट देकर कारोबारों के वित्तीय बोझ को काफी हद तक कम करती है।

उन्होंने आगे बताया कि यह योजना मूल कर में भी स्लैब के अनुसार बड़ी छूट प्रदान करती है। उन्होंने कहा कि 1 करोड़ रुपये तक के बकाया के लिए 50 प्रतिशत छूट, 1 करोड़ से 25 करोड़ रुपये तक के बकाया के लिए 25 प्रतिशत छूट और 25 करोड़ रुपये से अधिक के बकाया के लिए 10 प्रतिशत छूट दी जा रही है। उन्होंने कहा कि पंजाब जनरल सेल्ज़ टैक्स एक्ट 1948 की धारा 14-बी और पंजाब वैट एक्ट 2005 की धारा 51 के तहत भी इसी प्रकार की राहत उपलब्ध कराई गई है।

व्यापारियों और करदाताओं से योजना का लाभ उठाने की अपील करते हुए वित्त मंत्री ने कहा कि वे सभी योग्य करदाताओं से अपील करते हैं कि वे अपने पुराने बकाया निपटाने और राज्य के राजस्व में सहयोगी भावना से योगदान देने के लिए इस सुनहरे अवसर का लाभ उठाएं। इसके साथ ही उन्होंने स्पष्ट किया कि जहां सरकार सुविधाएं देने के लिए प्रतिबद्ध है।

संत समाज द्वारा श्री गुरु रविदास महाराज जी के 649वें प्रकाश पर्व के अवसर पर शानदार प्रबंधों के लिए भगवंत सिंह मान सरकार की सराहना

श्री गुरु रविदास महाराज जी की महान विरासत को बनाए रखने के लिए भगवंत मान प्रतिबद्ध: चीमा

- श्री गुरु रविदास महाराज जी की शिक्षाओं को कोने-कोने तक पहुंचाने के लिए भगवंत सिंह मान सरकार ने पूरे साल चलने वाले राज्य स्तर के कार्यक्रम आयोजित किए

पंचकूला ऑब्जर्वर न्यूज

खुरालगढ़, 6 फरवरी। संत समाज ने श्री गुरु रविदास महाराज जी के 649वें प्रकाश पर्व को व्यापक स्तर पर श्रद्धा और सम्मान के साथ मनाने के लिए किए गए पुख्ता प्रबंधों से प्रभावित होकर इस नेक कार्य के लिए मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान के नेतृत्व वाली पंजाब सरकार की सराहना की।

श्री गुरु रविदास जी के 649वें प्रकाश पर्व को समर्पित राज्य स्तरीय समागम के दौरान संगत को संबोधित करते हुए संत निरमल दास जी जोड़े वाले ने कहा कि गुरु रविदास जी साधू संप्रदा सोसाइटी, पंजाब सरकार विशेषकर मुख्यमंत्री को व्यापक प्रबंध करने के लिए बधाई देती है। उन्होंने प्रकाश पर्व को समर्पित आयोजित कार्यक्रमों के लिए संपूर्ण संत समाज की ओर से मुख्यमंत्री का विशेष रूप से धन्यवाद किया। उन्होंने कहा कि गुरु जी ने खुरालगढ़ में चार साल से अधिक समय भक्ति करके इस स्थान को पावन बनाया। उन्होंने कहा कि यह बहुत गर्व की बात है कि पंजाब सरकार आज इस पवित्र भूमि पर 649वां प्रकाश पर्व पूरी श्रद्धा और सम्मान के साथ मना रही है।

डेरा बल्लां से संत प्रदीप दास जी ने अपने संबोधन में कहा कि आज ऐतिहासिक दिन है क्योंकि श्री गुरु रविदास जी महाराज के प्रकाश पर्व के अवसर पर मुख्यमंत्री अपनी पूरी कैबिनेट और सांसदों के साथ श्रद्धा और सम्मान अर्पित करने के लिए खुरालगढ़ पहुंचे हैं। उन्होंने कहा कि यह बहुत गर्व और संतुष्टि की बात है कि पंजाब सरकार ने श्री गुरु रविदास जी बाणी अध्ययन केंद्र स्थापित करने के लिए डेरा बल्लां के निकट 10 एकड़ जमीन प्रदान की है, जिसके लिए वे सरकार के आभारी हैं। उन्होंने इन प्रयासों के लिए पंजाब सरकार की सराहना की जो श्री गुरु रविदास जी की शानदार विरासत को बनाए रखने में बहुत सहायक सिद्ध होंगे।

पंजाब विधान सभा के डिप्टी स्पीकर जय किशन रोड़ी ने श्री खुरालगढ़ साहिब की पवित्र भूमि से श्री गुरु रविदास महाराज जी के 649वें प्रकाश पर्व के अवसर पर पूरे साल चलने वाले कार्यक्रमों की शुरुआत करने के लिए मुख्यमंत्री का तहे दिल से धन्यवाद किया। उन्होंने कहा कि यह पवित्र स्थान उनके विधान सभा क्षेत्र गढ़शंकर में स्थित है। इससे पहले मुख्यमंत्री और पूरी कैबिनेट ने संगत रूप में श्री अखंड पाठ साहिब के भोग के बाद सरबत्त के भले के लिए अरदास की। मुख्यमंत्री और कैबिनेट ने श्री गुरु रविदास महाराज जी के तप-अस्थान पर भी माथा टेका।

सरकार ने श्री गुरु रविदास महाराज जी के आगामी 650वें प्रकाश पर्व को धार्मिक उत्साह के साथ मनाने के लिए पूरे साल चलने वाले कार्यक्रमों की रूपरेखा तैयार की

इस दौरान अपने संबोधन में वित्त मंत्री हरपाल सिंह चीमा ने कहा कि मुख्यमंत्री के नेतृत्व में पंजाब सरकार ने श्री गुरु रविदास महाराज जी के आगामी 650वें प्रकाश पर्व को धार्मिक उत्साह के साथ मनाने के लिए पूरे साल चलने वाले कार्यक्रमों की रूपरेखा तैयार की है, जो आज शुरू हो गई है। उन्होंने कहा कि इन कार्यक्रमों के हिस्से के रूप में श्री गुरु रविदास महाराज जी की महान शिक्षाओं को देश-दुनिया के हर कोने तक पहुंचाया जाएगा। हरपाल चीमा ने कहा कि मुख्यमंत्री ने इन कार्यक्रमों के लिए कैबिनेट सब-कमेटी गठित की है, जिसकी अगुवाई उन्हें सौंपी गई है और वे अपनी जिम्मेदारी को पूरी निष्ठा से निभाएंगे। इससे पहले कैबिनेट मंत्री तरुनप्रीत सिंह सौंद ने भी संगत का स्वागत करते हुए कहा कि पंजाब सरकार राज्य की शानदार विरासत को आने वाली पीढ़ियों तक पहुंचाने के लिए प्रतिबद्ध है।

बठिंडा में किसानों-पुलिस में झड़प, आंसू गैस छोड़ी

पंचकूला ऑब्जर्वर न्यूज

बठिंडा, 6 फरवरी। बठिंडा में चंडीगढ़ नेशनल हाईवे पर भारतीय किसान यूनियन (एकता उगराहां) और पुलिस के बीच झड़प हो गई। किसान जिला मुख्यालय पर प्रदर्शन करने जा रहे थे। लेकिन इससे पहले पुलिस ने उन्हें रोक लिया। किसान पुलिस बैरिकेड तोड़कर आगे बढ़ने लगे। इससे वहां बवाल बढ़ गया। किसानों को रोकने के लिए पुलिस ने आंसू गैस के गोले छोड़े। इससे किसानों में अफरातफरी मच गई। 9 महीने पहले टीचरों को हटाने के विरोध में प्रदर्शन कर रहे 2 किसानों को पुलिस ने गिरफ्तार किया था। उनकी रिहाई को लेकर किसान यूनियन ने प्रदर्शन का ऐलान किया था।

शुक्रवार को जिला मुख्यालय पर प्रदर्शन करने जा रहे किसानों को पुलिस ने हाईवे पर गांव ज्योंद के पास रोक लिया। किसान वहीं धरने पर बैठ गए। इस दौरान डीएसपी गुरप्रीत सिंह और नायब तहसीलदार को डेढ़ घंटे तक घेर कर बैठाए रखा।

किसानों का कहना था कि जब तक उनके गिरफ्तार साथियों को रिहा नहीं किया जाता, तब तक वे अधिकारियों को नहीं छोड़ेंगे और हर हाल में अपना प्रदर्शन जारी रखेंगे। बताया जा रहा है कि शाम को किसान फिर से आगे बढ़ने लगे तो पुलिस उनको रोकने लगी।

साथी की रिहाई के लिए कर रहे प्रदर्शन

यह पूरा विवाद नौ महीने पुराने एक मामले से जुड़ा है। स्कूल से टीचरों को हटाने के विरोध में किसानों ने प्रदर्शन किया था। इसमें पुलिस ने गांव चाउके के बलदेव सिंह और गांव जिजंद के शगनदीप सिंह बठिंडा सेंट्रल जेल में बंद हैं। किसान यूनियन इन दोनों साथियों की तुरंत रिहाई की मांग कर रही है। डीएसपी गुरप्रीत सिंह ने बताया कि प्रशासन ने कल और आज भी किसान नेताओं झंडा सिंह जेठूके और शिंगारा सिंह मान के साथ बैठक की थी। पुलिस का तर्क है कि रिहाई की कुछ कानूनी प्रक्रियाएं होती हैं, जिनमें समय लगता है।

किसान आगे बढ़ने लगे तो आंसू गैस के गोले छोड़े

पहले पुलिस ने रोकने की कोशिश की। लेकिन एकजुट होकर किसान आगे बढ़ने लगे तो पुलिस ने आंसू गैस को गोले छोड़े। इससे किसान तितर-बितर हुए। लेकिन अभी भी तनाव की स्थिति बनी हुई है।

विवाद खत्म करने का प्रयास

फिलहाल, जिला प्रशासन लगातार बातचीत के माध्यम से विवाद खत्म करने का प्रयास कर रहा है। पुलिस ने कई कार्यकर्ताओं को घरों से भी राउंडअप किया है। डीएसपी ने कहा है कि उन्होंने पूरी घटना की जानकारी उच्चाधिकारियों को दे दी है और अब निर्देशों के आधार पर ही अगली कानूनी कार्रवाई की जाएगी। दूसरी ओर, किसान नेताओं ने चेतावनी दी है कि यदि उनके साथियों को जल्द रिहा नहीं किया गया, तो आंदोलन को और तेज किया जाएगा।

भाजपा की बड़ी तैयारी: डेराबस्सी में विशेष बैठक, 8 फरवरी को बिजनपुर में विशाल जनसभा का ऐलान

पंचकूला ऑब्जर्वर न्यूज

डेराबस्सी, 6 फरवरी। भारतीय जनता पार्टी की आगामी रणनीति और संगठनात्मक मजबूती को लेकर आज डेराबस्सी में भाजपा मंडल अध्यक्ष पवन धीमान उर्फ पम्मा के कार्यालय में एक विशेष बैठक का आयोजन किया गया। बैठक की अध्यक्षता भाजपा जिला अध्यक्ष संजीव वशिष्ठ ने की।

इस अहम बैठक में डेराबस्सी विधानसभा क्षेत्र के सभी मंडल अध्यक्षों के साथ-साथ पार्टी के वरिष्ठ नेताओं ने भाग लिया। बैठक में भाजपा की सीनियर लीडरशिप में संजीव खन्ना, मनप्रीत सिंह बन्नी संधू, एस.एम.एस. संधू, भाजपा ओबीसी मोर्चा अध्यक्ष रविंदर वैष्णव, कार्यकारिणी सदस्य सुशील राणा तथा कार्यकारिणी सदस्य एडवोकेट मुकेश गांधी विशेष रूप से मौजूद रहे।

बैठक के दौरान संगठन को जमीनी स्तर पर मजबूत करने, जनसंपर्क अभियान को तेज करने तथा आने वाली राजनीतिक गतिविधियों को लेकर विस्तृत चर्चा की गई।

बैठक को संबोधित करते हुए जिला अध्यक्ष संजीव वशिष्ठ ने बताया कि केंद्र की भाजपा सरकार द्वारा शुरू की गई ÷विकसित भारत ङ्क जी राम जी÷ योजना की जानकारी आम जनता तक पहुंचाने के उद्देश्य से रविवार, 8 फरवरी 2026 को गांव बिजनपुर (डेराबस्सी) में एक भव्य जनसभा का आयोजन किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि इस जनसभा में भारी संख्या में लोगों की भागीदारी भाजपा के प्रति जनता के बढ़ते समर्थन को दर्शाएगी।

संजीव वशिष्ठ ने बताया कि इस जनसभा में भाजपा पंजाब के एग्जीक्यूटिव प्रेसिडेंट अश्वनी शर्मा, वाइस प्रेसिडेंट सुभाष शर्मा, महारानी परनीत कौर, जनरल सेक्रेटरी परमिंदर सिंह बराड़ सहित मोहाली जिले के सभी वरिष्ठ पदाधिकारी शामिल होंगे।

उन्होंने केंद्र सरकार द्वारा लाए गए नए बिल की जानकारी देते हुए कहा कि यह बिल मजदूर वर्ग के हितों की रक्षा के लिए एक बड़ा कदम है। उन्होंने बताया कि पहले मनरेगा के तहत काम करने वाले मजदूरों को कई बार समय पर मजदूरी नहीं मिल पाती थी या भुगतान में गड़बड़ी हो जाती थी। नए बिल के तहत अब जिस मजदूर की बायोमेट्रिक अटेंडेंस दर्ज होगी, उसी के बैंक खाते में सीधे भुगतान किया जाएगा।

उन्होंने कहा कि जहां पहले मनरेगा की मजदूरी तीन से छह महीने तक लेट हो जाती थी, वहीं अब नए प्रावधानों के तहत एक सप्ताह के भीतर भुगतान अनिवार्य होगा। समय पर भुगतान न होने की स्थिति में मजदूर को ब्याज सहित राशि दी जाएगी। इससे पारदर्शिता बढ़ेगी और मजदूर वर्ग को सीधा लाभ मिलेगा। बैठक के अंत में सभी नेताओं ने कार्यकर्ताओं से आह्वान किया कि वे 8 फरवरी को होने वाली जनसभा को ऐतिहासिक रूप से सफल बनाने के लिए पूरी ताकत से जुट जाएं।

सांसद दीपेन्द्र हुड्डा ने लोकसभा में रूस के युद्ध क्षेत्र में फंसे भारतीयों की सुरक्षित वापसी का मुद्दा उठाया

◆बेरोजगार की तलाश में विदेश गए हरियाणा के युवाओं की दुर्दशा के लिए बीजेपी सरकार जिम्मेदार

◆भयंकर रूप से बढ़ रही बेरोजगारी ने युवाओं को विदेश जाने पर मजबूर कर दिया

चंडीगढ़

सांसद दीपेन्द्र हुड्डा ने लोकसभा में नियम 377 के तहत रूस के युद्ध क्षेत्र में फंसे भारतीय युवाओं, खासकर छात्रों की सुरक्षित वतन वापसी का मुद्दा उठाया। उन्होंने कहा कि यह मामला भारतीय नागरिकों की सुरक्षा, सरकार की विदेश नीति, कूटनीतिक प्रभाव से सीधे जुड़ा है। दीपेन्द्र हुड्डा ने कहा कि अनेक युवा तो ऐसे भी हैं जिन्हें या तो विदेशों में बंधक बना लिया गया है या एजेंटों ने धोखे से उन्हें विदेशी सेना में भर्ती करवाकर रूस-यूक्रेन में झोंक दिया है। अनेक युवा ऐसे भी हैं जिनका परिवार को कुछ अता-पता ही नहीं लग रहा है। कई महीनों से इन युवकों का परिवार से संपर्क नहीं हो पाया रहा है। उनकी चिंता में परेशान और गहरी पीढ़ा झेल रहे परिवार के लोग राज्य सरकार से लेकर केंद्र सरकार तक गुहार लगा चुके हैं। लेकिन ज़मीनी स्तर पर कोई ठोस प्रगति नहीं दिख रही है। सांसद दीपेन्द्र हुड्डा ने मांग करी कि इस मामले को शीर्ष प्राथमिकता पर लिया जाए और कूटनीतिक माध्यमों के ज़रिये तत्काल हस्तक्षेप और रूसी सरकार से उच्च स्तर पर बातचीत कर सभी भारतीय नागरिकों की वतन वापसी सुनिश्चित की जाए। साथ ही उन्होंने यह भी कहा कि लापता भारतीय नागरिकों का पता लगाया जाए और भविष्य में ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए पुख्ता उपाय किए जाएँ। सांसद दीपेन्द्र हुड्डा ने कहा कि देश के अनेक युवा छात्र-वीज़ा पर पढ़ाई के लिए रूस गए थे, लेकिन वहाँ पहुँचने के बाद उन्हें बहला-फुसलाकर धोखे से रूसी सेना में जबरन भर्ती कर रूस-यूक्रेन सीमा के युद्धक्षेत्र में झोंक दिया गया। यह न केवल अमानवीय है बल्कि भारतीय नागरिकों की सुरक्षा से समझौता है। दीपेन्द्र हुड्डा इससे पहले लगातार इस मामले को विदेश मामलों की संसदीय समिति से लेकर विदेश राज्य मंत्री के सामने उठा चुके हैं और विभिन्न स्तरों पर पत्र लिखकर सभी भारतीय युवाओं की सुरक्षित वतन वापसी के लिए प्रयास करते रहे हैं। इससे पूर्व उन्होंने सभी प्रभावित युवाओं की सूची भी सरकार को सौंपी थी। जिस पर सरकार ने कार्रवाई का भरोसा दिया था। उन्होंने कहा कि भयंकर रूप से बढ़ रही बेरोजगारी ने हमारे युवाओं को विदेश जाने पर मजबूर कर दिया है। रोजगार की तलाश में अपना देश-प्रदेश छोड़कर गए यहाँ के युवाओं को अपमान और जुल्म सहना पढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि काम की तलाश में विदेश गए हरियाणा के युवाओं की दुर्दशा के लिए पूरी तरह बीजेपी सरकार जिम्मेदार है। यदि सरकार नौजवानों को यहीं अपने देश में रोजगार उपलब्ध कराती तो वे अपना घर-बार छोड़कर विदेश क्यों जाते।

हरियाणा के युवाओं से एचपीएससी ने फिर धोखा किया : कुमारी सैलजा

◆एचपीएससी पर गंभीर आरोप- कांग्रेस महासचिव व सिरसा सांसद कुमारी सैलजा ने हरियाणा लोक सेवा आयोग पर युवाओं से धोखा करने का आरोप लगाया

◆2019 की भर्ती का परिणाम 2026 में, पीजीटी कंप्यूटर साइंस के 1711 पद, लेकिन सिर्फ 39 अभ्यर्थियों का चयन

चंडीगढ़। सिरसा की सांसद, कांग्रेस की महासचिव व पूर्व मंत्री कुमारी सैलजा ने हरियाणा लोक सेवा आयोग (एचपीएससी) की भर्ती प्रणाली पर तीखा हमला बोलते हुए कहा है कि वर्ष 2019 में निकली स्नातकोत्तर शिक्षक (कंप्यूटर साइंस) के 1711 पदों की भर्ती का परिणाम 2026 में आना और उसमें भी सिर्फ 39 अभ्यर्थियों का चयन होना हरियाणा के युवाओं के साथ एक बहुत बड़ा धोखा है। कुमारी सैलजा ने कहा कि आठ वर्षों तक हज़ारों युवाओं को उम्मीद में बाँधे रखना और अंत में उन्हें अयोग्य घोषित कर देना, उनकी मेहनत, आत्मसम्मान और भविष्य, तीनों पर सीधा हमला है। इस दौरान भर्ती के नियम बार-बार बदले गए, मानदंडों में फेरबदल किया गया और परीक्षा पद्धति में लगातार बदलाव किए गए, जिससे अभ्यर्थी भ्रम में रहे। इसी बीच सैकड़ों युवा आयु सीमा पार कर चुके हैं। उन्होंने सवाल किया इस नुकसान की जिम्मेदारी कौन लेगा। उन्होंने कहा कि हाल में घोषित असिस्टेंट प्रोफेसर की मुख्य परीक्षा के नतीजे भी भर्ती व्यवस्था की गंभीर खामियों को उजागर करते हैं। सामान्य वर्ग में केवल 336 अभ्यर्थियों को पास किया गया, जबकि नियमों के अनुसार 2020 अभ्यर्थियों को साक्षात्कार के लिए बुलाया जाना चाहिए था। आरक्षित वर्ग के साथ तो और भी बड़ा अन्याय हुआ जहाँ 1016 के स्थान पर मात्र 166 अभ्यर्थियों को ही पास किया गया। जिन अभ्यर्थियों को एसकेटी परीक्षा में पास किया गया उनमें से 80 प्रतिशत से भी अधिक अभ्यर्थी बाहर के यानी हरियाणा से दूसरे राज्यों के हैं। कई सब्जेक्ट में तो हरियाणा के मात्र 8 प्रतिशत छात्र ही पास किए गए हैं। यह हरियाणा के युवाओं के साथ बहुत बड़ा अन्याय है। अंग्रेज़ी विषय में स्थिति अत्यंत चौंकाने वाली है। आरक्षित वर्ग के लिए 301 पद थे, लेकिन केवल 16 अभ्यर्थियों को पास किया गया और 285 पद खाली छोड़ दिए गए। अनुसूचित जाति की ओएससी व डीएससी श्रेणियों के लिए 120 पदों में से केवल 3 अभ्यर्थी पास हुए। कुल 613 अंग्रेज़ी पदों के विरुद्ध मात्र 151 अभ्यर्थी ही योग्य घोषित किए गए। सामान्य वर्ग में भी 502 पदों के सामने केवल 336 अभ्यर्थियों को पास किया गया, जबकि 1004 अभ्यर्थियों को बुलाया जाना चाहिए था।कुमारी सैलजा ने कहा कि एएमओ और पीजीटी की भर्तियों में भी 35 प्रतिशत की कठोर सीमा लगाकर हजारों अभ्यर्थियों को साक्षात्कार से बाहर कर दिया गया, जिससे अधिकांश पद खाली रह गए। यह स्पष्ट करता है कि समस्या युवाओं की योग्यता में नहीं, बल्कि भर्ती प्रक्रिया की खामियों और मनमानी में है। उन्होंने मांग की कि विषय ज्ञान परीक्षा में कुल पदों के कम से कम दो गुना अभ्यर्थियों को पास कर साक्षात्कार के लिए बुलाया जाए, सभी विज्ञापित पद भरे जाएँ और पूरी प्रक्रिया की निष्पक्ष उच्चस्तरीय जांच करवाई जाए। चयन मानदंड सार्वजनिक किए जाएँ और हरियाणा लोक सेवा आयोग के अध्यक्ष पद पर हरियाणा के ही किसी योग्य व्यक्ति को नियुक्त किया जाए। एक दिन पूर्व ही पीजीटी कंप्यूटर साइंस का सात साल बाद परिणाम जारी कर कुछ ही घंटों बाद उसी पद के लिए नई भर्ती का विज्ञापन निकाल देना, युवाओं की आँखों में धूल झोंकने के बराबर है। जब 1711 पदों में से केवल 39 ही योग्य माने गए, तो उसी दिन नई भर्ती निकालना यह साबित करता है कि दोष युवाओं में नहीं।

एसडीएम ने समाधान शिविर में समस्याओं को सुनते हुए अधिकारियों को दिए सख्त निर्देश

भिवानी. वीरवार को लघु सचिवालय स्थित डीआरडीए सभागार में समाधान शिविर आयोजित हुआ, जिसमें एसडीएम महेश कुमार ने नागरिकों की समस्याएं सुनी। एसडीएम ने अधिकारियों को स्पष्ट तौर पर निर्देश दिए कि वे समस्याओं गंभीरता से लेकर उनका समाधान करें। नागरिकों की बिजली, पानी और सीवरेज आदि संबंधित समस्याओं का समाधान करना ही अधिकारियों की प्राथमिकता होनी चाहिए। एसडीएम के समक्ष सुनील वर्मा नंबरदार ने सार्वजनिक स्थलों पर बने शौचालयों की सफाई करवाने, कर्ण सिंह ने राजीव कालोनी को नियमित करवाने व लटकी हुई बिजली की तारों को ठीक करवाने, गांव ढांगर के निवासी कैलाश चन्द्र ने जमीन की तकसीम को सही करवाने, बीरण के सरपंच ने श्मशान घाट की निशानदेही करवाने व चारदीवारी बनवाने, सदाम ने बीपीएल कार्ड बनवाने, सांगा निवासी सुरेश ने गली से गंदे पानी की निकासी करवाने, भरत सिंह ने आधार कार्ड मे जन्मतिथि ठीक करवाने, सत्यपाल ने बुढ़ापा पेंशन दिलवाने की समस्या रखी।

दुनिया का सबसे बड़ा अंतरराष्ट्रीय थियेटर महोत्सव 'भारंगम' डीएलसीसुपवा में

रोहतक. दुनिया का सबसे बड़ा अंतरराष्ट्रीय रंगमंच महोत्सव, भारत रंग महोत्सव (भारंगम) का 25वां संस्करण 9 से 12 फरवरी तक दादा लख्मी चंद स्टेट यूनिवर्सिटी ऑफ परफॉर्मिंग एंड विज़ुअल आर्ट्स (डीएलसीसुपवा) में कराया जाएगा। डीएलसीसुपवा स्थित एफटीवी विभाग के मिनी ऑडिटोरियम में चलने वाले इस महोत्सव में देश-विदेश की टीमें विभिन्न शैलियों और प्रदर्शन रूपों में राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर की प्रशंसित रंगमंच प्रस्तुतियां देंगी। यह महोत्सव डीएलसीसुपवा के सहयोग से नेशनल स्कूल ऑफ ड्रामा (एनएसडी) नई दिल्ली द्वारा कराया जा रहा है। बुधवार को डीएलसीसुपवा के गेस्ट हाउस में पत्रकारों से खचाखच भरे हाल में 25वें भारत रंग महोत्सव का पोस्टर लॉन्च किया गया। इस दौरान डीएलसीसुपवा के कुलगुरु डॉ अमित आर्य, रजिस्ट्रार डॉ गुंजन मलिक मनोचा, 'भारंगम' के समन्वयक व एनएसडी से सीनियर एक्टिंग एक्सपर्ट प्रोफेसर सुमन वैद्य, एलपीएस बोसार्ड के एमडी राजेश जैन, डीएलसीसुपवा से महेश टीपी, केशव, डॉ अजय कौशिक आदि मौजूद रहे। डीएलसीसुपवा के कुलगुरु डॉ अमित आर्य ने बताया कि 9 फरवरी को प्रज्ञा आर्ट्स थिएटर ग्रुप दिल्ली 'उम्मीदङ्कमनुष्य जिंदा है' प्रस्तुत करेगा। इसके लेखक सच्चिदानंद जोशी व निर्देशक लक्ष्मी रावत हैं। 10 फरवरी को मंच रंगमंच अमृतसर, पंजाब 'संदल बार' का मंचन करेगा। इसके लेखक हरजीत सिंह व निर्देशक राहुल मालीवाल हैं। 11 फरवरी को केंद्रीय विश्वविद्यालय पंजाब, बठिंडा के प्रदर्शन और सुंदर कला विभाग द्वारा 'उमर का परवाना' की प्रस्तुति रहेगी। इसके लेखक विजयदान देथा व निर्देशक आदिश कुमार वर्मा हैं। उन्होंने बताया कि 12 फरवरी को अपूर्वा थिएटर ग्रुप श्रीलंका 'कोलंबा हाथे थोरना' प्रस्तुत करेगा, जिससे महोत्सव में अंतरराष्ट्रीय रंग जुड़ जाएगा। इसके लेखक और निर्देशक चामिका हाथ्लाबथ्थुवा रहेंगे। हरियाणा में रंगमंच प्रेमियों को अपने संदेश में डीएलसीसुपवा के कुलगुरु डॉ अमित आर्य ने कहा कि हाल ही के विकास ने रोहतक व हरियाणा के रंगमंच और सांस्कृतिक परिदृश्य को भारत के सांस्कृतिक सर्किट में एक विशेष स्थान दिया है। रोहतक में 'भारंगम' की मेजबानी करना भारत में कला रूप के व्यापक कल्याण के लिए एक सार्थक प्रयास है और शहर के लिए गर्व का क्षण है। डीएलसीसुपवा राज्य की कला और संस्कृति में महत्वपूर्ण योगदान दे रहा है। इस महोत्सव के माध्यम से गुणवत्ता और समावेशी रंगमंच को बढ़ावा देने में सुपवा को साथ जोड़ने पर हम एनएसडी का आभार प्रकट करते हैं। डॉ अमित आर्य ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय नाट्य महोत्सव 'भारंगम' ने देश भर में अपनी सांस्कृतिक छाप छोड़ी है। नागांव, रांची, रायपुर, गंगटोक, पारादीप, वाराणसी, बेंगलुरु, पटना, इटानगर, कोलकाता, इंफाल, साखालिन और दीमापुर में मंचन एक साथ आयोजित किए गए, जिससे थिएटर को विकेंद्रीकृत करके विश्व स्तरीय नाटकों को ज्यादा से ज्यादा कला प्रेमियों तक पहुंचाया गया।

पीएम स्वनिधि योजना की अवधि 31 मार्च 2030 तक बढ़ी, दीपक अग्रवाल तौला ने किया जागरूक

भिवानी. कोरोना काल की विभीषिका के बाद छोटे व्यापारियों और रेहड़ी-पटरी वालों को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने के उद्देश्य से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा शुरू की गई पीएम स्वनिधि योजना आज जमीनी स्तर पर एक बड़े बदलाव का आधार बन रही है। केंद्र सरकार ने अब इस योजना की अवधि को बढ़ाकर 31 मार्च 2030 तक कर दिया है। इसी क्रम में जनकल्याण सहयोग संगठन के प्रदेश अध्यक्ष एवं वरिष्ठ भाजपा नेता दीपक अग्रवाल तौला ने वीरवार को शहर के विभिन्न क्षेत्रों में जनसंपर्क कर स्ट्रीट वेंडर्स को इस योजना का लाभ उठाने के लिए प्रेरित किया। दीपक अग्रवाल तौला ने घंटाघर सहित शहर के अन्य क्षेत्रों का दौरा किया।

इस दौरान उन्होंने ठेलेवालों, फेरीवालों और छोटे दुकानदारों से सीधा संवाद किया।

उन्होंने कहा कि यह योजना केवल ऋण देने का माध्यम नहीं है, बल्कि रेहड़ी-पटरी वालों के आत्म-सम्मान और स्वावलंबन का मार्ग है।

तौला ने कहा कि पीएम स्वनिधि योजना हमारे उन रेहड़ी व पटरी वालों के लिए संजीवनी से कम नहीं है, जिनका काम लॉकडाउन के दौरान पूरी तरह ठप हो गया था। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में आत्मनिर्भर भारत का यह सपना अब सच हो रहा है। दीपक अग्रवाल तौला ने वेंडर्स को योजना की बारीकियों और मिलने वाले लाभों के बारे में विस्तार से समझाया। उन्होंने बताया कि इस योजना के तहत 10 हजार से लेकर 50 हजार तक का कार्यशील पूंजी ऋण बिना किसी गारंटी के उपलब्ध कराया जाता है। यह ऋण तीन चरणों में मिलता है, जिसके पहले चरण में 10 हजार रूपये की राशि को बढ़ाकर 15 हजार द्वितीय चरण में 20 हजार की राशि को बढ़ाकर 25 हजार व तीसरे चरण पर 50 हजार रुपए तक की राशि बिना बदलाव के जारी की जाती है। तौला ने कहा कि यदि लाभार्थी समय पर किस्तों का भुगतान करता है, तो उसे 7 प्रतिशत प्रतिवर्ष की ब्याज सब्सिडी मिलती है, जो सीधे उनके बैंक खाते में जमा होती है। दीपक अग्रवाल तौला ने जोर देकर कहा कि अब रेहड़ी-पटरी वालों को साहूकारों के ऊंचे ब्याज दर के चंगुल में फंसने की जरूरत नहीं है। उन्होंने भाजपा कार्यकर्ताओं से आह्वान भी किया कि वे पात्र लोगों के फॉर्म भरवाने में मदद करें ताकि कोई भी जरूरतमंद इस कल्याणकारी योजना से वंचित न रहे।

कच्चे सफाई कर्मचारियों को पक्का करने की मांग, यूनियन ने सौंपा ज्ञापन

यमुनानगर पंजाब एवं हरियाणा हाई कोर्ट द्वारा 31 दिसंबर को कच्चे कर्मचारियों को नियमित करने के निर्देश दिए जाने के बावजूद अब तक सरकार की ओर से कोई ठोस निर्णय न लिए जाने से सफाई कर्मचारियों में नाराज़गी बनी हुई है। इसी मुद्दे को लेकर बुधवार को राष्ट्रीय सफाई कर्मचारी मजदूर यूनियन ने सरकार से मांग की कि हरियाणा के सभी जिलों में कार्यरत कच्चे सफाई कर्मचारियों को शीघ्र नियमित किया जाए और पुरानी पेंशन योजना बहाल की जाए। इस मांग को लेकर यूनियन के प्रतिनिधिमंडल ने विधायक घनश्याम दास अरोड़ा को ज्ञापन सौंपा। यूनियन के प्रधान मनोज कुमार ने बताया कि संगठन समय-समय पर सफाई कर्मचारियों की समस्याओं को संवैधानिक और शांतिपूर्ण तरीके से उठाता रहा है।

जनता को बार-बार महंगी बिजली का झटका दे रही है बीजेपी सरकार : हुड्डा

चंडीगढ़. पूर्व मुख्यमंत्री एवं नेता प्रतिपक्ष भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने कहा है कि भाजपा सरकार बिजली उपभोक्ताओं से लगातार ठगी करने में लगी हुई है। अब सोलर योजना के नाम पर जनता से ठगी का खेल शुरू हो गया है। हुड्डा ने कहा कि हर घर सोलर योजना के नाम पर सरकार मुंह में सब्सिडी और बगल में छुरी वाली नीति अपना रही है। एक ओर सरकार सोलर को बढ़ावा देने का दावा करती है, वहीं दूसरी ओर सोलर सिस्टम लगवाने वाले उपभोक्ताओं से महंगे फिक्स्ड चार्ज भी वसूले जा रहे हैं।

जिस महीने सोलर उपभोक्ता की बिजली का जनरेशन, उसके खर्च से थोड़ा भी कम रह जाता है तो सरकार उसे महंगा फिक्स्ड चार्ज लगाकर पूरा बिल थमा देती है। ऐसे में सोलर लगवाने का उपभोक्ता को फायदा क्या हुआ? इतना ही नहीं, हुड्डा ने कहा कि दक्षिण हरियाणा बिजली वितरण निगम और उत्तर हरियाणा बिजली वितरण निगम ने वित्तीय वर्ष 2026-27 के लिए बिजली दरों में 15 से 17 प्रतिशत तक की बढ़ोतरी का प्रस्ताव दिया गया है। इस प्रस्ताव से घरेलू, वाणिज्यिक और औद्योगिक उपभोक्ताओं पर अतिरिक्त बोझ पड़ेगा और जनता को महंगी बिजली का झटका लगेगा। सवाल ये है कि अगर निगम घाटे में हैं, तो सरकार की क्या जिम्मेदारी है? क्यों नहीं सरकार अपनी अक्षमता को सुधार कर घाटा कम करने की दिशा में काम कर रही? क्यों नहीं हरियाणा में कांग्रेस सरकार द्वारा स्थापित बिजली उत्पादन व वितरण तंत्र का उचित उपयोग किया जा रहा? क्यों अपनी नाकामियों का बोझ बार-बार महंगी बिजली करके जनता के सिर पर धरा जा रहा है? नेता प्रतिपक्ष ने पिछले साल हुए बिजली दरों के बदलाव का जिक्र करते हुए कहा कि भाजपा पहले ही स्लैब में बदलाव करके जनता को जोरदार झटका दे चुकी है। अप्रैल 2025 से बिजली के दाम चार गुना बढ़ाकर सरकार ने आम आदमी की कमर तोड़ दी थी। उदाहरण के तौर पर, जहां पहले बिजली बिल 900 रुपये आता था, वो सीधे 4000 रुपये हो गया। क्योंकि सरकार ने प्रति किलोवाट 75 रुपये का फिक्स्ड चार्ज लगा दिया और स्लैब में बड़ा बदलाव भी कर डाला। जून में जिन लोगों के बिल आए, उनमें नया स्लैब लागू किया गया, जिसमें 5 किलोवाट से ऊपर के कनेक्शन पर भारी-भरकम बिल भेजे गए। 500 यूनिट तक के खर्च पर प्रति यूनिट 6.50 रुपये और प्रति किलोवाट 75 रुपये फिक्स्ड चार्ज है, जबकि 500 से 1000 यूनिट पर 7.15 पैसे प्रति यूनिट और 75 रुपये प्रति किलोवाट। हुड्डा ने बताया कि कांग्रेस सरकार के दौरान 4 पावर प्लांट और 1 न्यूक्लियर प्लांट स्थापित किया गया और 1600 करोड़ के बिजली बिल एकमुश्त माफ किए गए। फिर कांग्रेस ने कभी जनता पर महंगी बिजली की मार नहीं मारी। लेकिन बीजेपी ने आज तक एक भी यूनिट नई बिजली उत्पाद करने का कोई तंत्र या प्लांट स्थापित नहीं किया। फिर भी वो लगातार बिजली, शिक्षा और स्वास्थ्य जैसी सुविधाओं के रेट बढ़ाकर जनता से जबरन वसूली कर रही है।

एसपी दीपक सहारन ने जीडी गोयंका स्कूल के बच्चों से किया संवाद,नशे से दूर रहने की शपथ दिलाई

◆शिक्षा खेलकूद में अन्य गतिविधियों के माध्यम से बच्चें अपने स्कूल मां-बाप का नाम रोशन करें : एसपी

सिरसा. नशा समाज के लिए एक गंभीर चिंता का विषय है,और इससे निपटने के लिए हम सभी को सामूहिक प्रयास करना होगा उक्त विचार पुलिस अधीक्षक दीपक सहारन ने जीडी गोयंका स्कूल में आयोजित जागरूकता कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि पहुंचने उपरांत व्यक्त किए ।कार्यक्रम में उपस्थित विद्यार्थियों, अभिभावकों एवं स्कूल स्टाफ को संबोधित करते हुए एसपी दीपक सहारन ने कहा कि नशा एक ऐसी सामाजिक बीमारी है जो व्यक्ति को शारीरिक व मानसिक रूप से कमजोर बना देती है । एसपी दीपक सहारन ने कहा कि पुलिस का लक्ष्य केवल कानून व्यवस्था बनाए रखना नहीं है, बल्कि समाज में नशे के खिलाफ एक नई सोच विकसित करना भी है । हर नागरिक की जिम्मेदारी है कि वह नशे से दूर रहे और यदि किसी परिचित को इस लत का सामना करना पड़ रहा है, तो उसे सही रास्ता दिखाने में मदद करें । युवा पीढ़ी को नशे से बचाने के लिये उनका खेलों की और रुझान करें ताकि युवा देश के विकास में अपनी अहम भागीदारी सुनिश्चित कर सके ।उन्होंने बताया कि सिरसा पुलिस एवं जिला प्रशासन द्वारा नशे के खिलाफ लगातार सघन अभियान चलाया जा रहा है, जिसके सकारात्मक और सार्थक परिणाम सामने आ रहे हैं। लेकिन इस मुहिम को सफल बनाने के लिए युवाओं की जन भागीदारी अति आवश्यक है, ताकि नशा मुक्ति का संदेश जन-जन तक पहुंच सके ।

एसपी सहारन ने स्कूल स्टाफ एवं अभिभावकों से अपील की कि वे अपने बच्चों के साथ प्रेमपूर्वक व्यवहार करें, उनकी गतिविधियों पर नजर रखें और उन्हें नशे से होने वाले दुष्परिणामों के प्रति जागरूक करें। उन्होंने कहा कि बच्चों को ऐसे किसी भी पदार्थ के सेवन से दूर रखें जिससे नशा होता है और नशा करने वाले लोगों की संगत से बचाएं, क्योंकि संगत का असर स्वाभाविक रूप से पड़ता है । एसपी दीपक सहारन ने कहा कि बच्चों का सर्वांगीण विकास किसी भी समाज और राष्ट्र की मजबूत नींव होता है। शिक्षा, खेलकूद और सांस्कृतिक गतिविधियों के माध्यम से बच्चे अपनी छिपी हुई प्रतिभा को पहचानते हैं और उसे निखारने का अवसर पाते हैं। स्कूली जीवन वह स्वर्णिम समय है जब सीखने की क्षमता सबसे अधिक होती है। इस अवस्था में प्राप्त ज्ञान, संस्कार और अनुशासन व्यक्ति को जीवन भर मार्गदर्शन देते हैं ।उन्होंने कहा कि आज के प्रतिस्पर्धी युग में आवश्यक है कि बच्चे कड़ी मेहनत, लगन और आत्मविश्वास के बल पर अपने सपनों को साकार करें। शिक्षा के साथ-साथ खेलकूद में भागीदारी बच्चों को शारीरिक रूप से स्वस्थ, मानसिक रूप से मजबूत और टीम भावना से परिपूर्ण बनाती है। सफलता केवल अंकों तक सीमित नहीं होती, बल्कि अच्छे संस्कार, सकारात्मक सोच और जिम्मेदारी की भावना भी उतनी ही महत्वपूर्ण होती है। एसपी दीपक सहारा ने कहा कि बच्चों को अपने सपनों को साकार कर अपने स्कूल, माता-पिता और समाज का नाम रोशन कर सकें। बच्चों को चाहिए कि वे अच्छे लोगों को अपना रोल मॉडल बनाएं, उनसे प्रेरणा लें और अपने लक्ष्य की ओर निरंतर प्रयासरत रहें। ईमानदारी, अनुशासन और परिश्रम के साथ किया गया प्रयास निश्चित रूप से सफलता दिलाता है। उन्होंने कहा कि यदि कोई व्यक्ति नशे का अवैध कारोबार करता है तो उसकी सूचना पुलिस को हेल्पलाइन नंबर 8814056100 या 8814011620 पर दें, ताकि उसके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जा सके। वहीं यदि कोई व्यक्ति नशे से ग्रस्त है और नशा छोड़ना चाहता है, तो उसकी जानकारी भी पुलिस प्रशासन को दी जा सकती है, ताकि उसका उपचार कराकर समाज की मुख्यधारा से जोड़ा जा सके । इस अवसर पर स्कूली बच्चों एवं स्टाफ सदस्यों ने नशे को समाज से पूर्ण रुप से खत्म करने के लिए एक जुट होकर संकल्प लिया की न तो खुद नशा करेंगे और न ही अपने आस-पास किसी को नशा करने देंगे।

नि:शुल्क इलाज से राहत, सेवा का महाकुंभ अभियान निरंतर जारी

सिरसा। गरीब और जरूरतमंदों के लिए इलाज की उम्मीद बनकर उभरे सेवा का महाकुंभ अभियान के तहत डेरा सच्चा सौदा सिरसा में लगातार निश्शुल्क स्वास्थ्य सेवाएं दी जा रही हैं। पूज्य गुरु संत डॉ. गुरमीत राम रहीम सिंह जी इन्सां की प्रेरणा से पिछले करीब एक माह से प्रतिदिन विभिन्न रोगों के विशेष स्वास्थ्य जांच शिविर आयोजित कर मरीजों को विशेषज्ञ चिकित्सकों की सेवाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं। इसके साथ-साथ जरूरतमंदों को राशन वितरित करने, किसानों को बीज उपलब्ध कराने सहित अन्य जनकल्याणकारी कार्यों के माध्यम से सहायता प्रदान की जा रही है, जिससे हजारों परिवारों को प्रत्यक्ष लाभ मिल रहा है। अभियान की इसी क?ी में वीरवार को शाह सतनाम जी स्पेशलिटी अस्पताल सिरसा में बच्चों के रोगों की जांच हेतु विशेष कैंप आयोजित किया गया। इस दौरान शिशु एवं बाल रोग विशेषज्ञ डॉ. नितिन मोहन, डॉ. राकेश, डॉ. गौरव, डॉ. मोनिशा सहित चिकित्सकों की टीम ने बच्चों की स्वास्थ्य जांच कर आवश्यक परामर्श व उपचार बताया। निश्शुल्क विशेषज्ञ सेवाएं मिलने पर अभिभावकों ने संतोष जताया। वहीं शाह सतनाम जी-शाह मस्ताना जी धाम, डेरा सच्चा सौदा सिरसा में बहनों के पंडाल में चिकित्सकों की ओर से सीपीआर (कार्डियो पल्मोनरी रिससिटैशन) संबंधी जागरूकता कैंप लगाया गया। कैंप में डॉ. शीनम और डॉ. कीर्ति द्वारा हृदय गति रुकने की स्थिति में तुरंत दी जाने वाली जीवन रक्षक सीपीआर विधि की जानकारी देकर प्रतिभागियों को आपात स्थिति में सही कदम उठाने के लिए प्रशिक्षित किया गया। इसके अतिरिक्त एमएसजी नेचुरोपैथी अस्पताल की ओर से डॉ. एम. रवि कुमार, डॉ. बिजोय परदा और डॉ. रूपेश कुमार ने प्राकृतिक चिकित्सा पद्धति से मरीजों का उपचार किया। प्राकृतिक उपायों से कई रोगियों को बिना दवाइयों के राहत मिलने का अनुभव हुआ। अभियान के तहत 6 फरवरी (शुक्रवार) को शाह सतनाम जी स्पेशलिटी अस्पताल में निसंतान दंपति (महिला व पुरुष) की जांच संबंधी विशेष कैंप आयोजित किया जाएगा।

डीपीएस सिरसा में विदाई समारोह आयोजित

सिरसा। दिल्ली पब्लिक स्कूल, सिरसा में कक्षा 12वीं के विद्यार्थियों के सम्मान में एक भव्य एवं गरिमामय विदाई समारोह का आयोजन किया गया। यह अवसर खुशी, उत्साह और भावनात्मक पलों का सुंदर संगम बन गया, जहां कक्षा 11वीं के विद्यार्थियों ने अपने सीनियर्स को पूरे स्नेह और सम्मान के साथ विदाई दी। कार्यक्रम का शुभारंभ विद्यालय की प्राचार्या रमा दहिया द्वारा मां सरस्वती की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्ज्वलित कर किया गया। इस मंगलमय शुरुआत ने समारोह को सकारात्मक ऊर्जा से भर दिया। इसके पश्चात विद्यार्थियों ने नृत्य, संगीत और विविध सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के माध्यम से अपनी प्रतिभा का मनमोहक प्रदर्शन किया, जिसने उपस्थित सभी का दिल जीत लिया। समारोह का मुख्य आकर्षण कक्षा 12वीं के विद्यार्थियों की आकर्षक रैंप वॉक रही। विद्यार्थियों ने पूरे आत्मविश्वास, गरिमा और उत्साह के साथ मंच पर अपनी उपस्थिति दर्ज कराई। उनकी मुस्कान और अंदाज़ ने माहौल को और भी जीवंत बना दिया। इस विशेष अवसर पर जूनियर्स ने सीनियर्स को उपहार स्वरूप ग्रुप फोटो भेंट कर स्मृतियों को संजोने का सुंदर प्रयास किया। साथ ही विद्यार्थियों की प्रतिभा, व्यक्तित्व और विशेषताओं के आधार पर उन्हें सम्मानजनक शीर्षक भी प्रदान किए गए जैसे मिस्टर डीपीएस आदिल, मिस डीपीएस ख्वाहिश, मिस्टर ईवनिंग ईशान, मिस ईवनिंग हरदेव, मिस्टर हैंडसम कनिष्क, मिस करिश्मैटिक पवनीत, द वर्सेटाइल पर्सनैलिटी आरजू।

करियर के शिखर पर छोड़ा सिनेमा, जब उर्मिला मातोंडकर ने शोहरत से खुद बना ली दूरी

बॉलीवुड में सफलता अक्सर कलाकारों को लंबे समय तक बांध कर रखती है। जब कोई कलाकार लोकप्रियता, कमाई और दर्शकों के प्यार तीनों के शिखर पर होता है तो आमतौर पर वह उस दौर को जितना हो सके, उतना लंबा खींचना चाहता है, लेकिन हिंदी सिनेमा में कुछ नाम ऐसे भी हैं, जिन्होंने ठीक उसी वक्त फिल्मों से दूरी बनाने का फैसला लिया, और इन्हीं नामों में एक नाम है उर्मिला मातोंडकर का। जब उनका करियर अपने सबसे सुनहरे दौर में था, तभी उन्होंने पर्दे से ब्रेक ले लिया। उर्मिला मातोंडकर का जन्म 4 फरवरी 1974 को मुंबई में हुआ। उन्हें बचपन से ही अभिनय में दिलचस्पी थी। बहुत कम उम्र में उन्होंने कैमरे का सामना कर लिया था। महज तीन साल की उम्र में उन्होंने फिल्म कर्म से बतौर बाल कलाकार काम शुरू किया। इसके बाद वह मासूम में नजर आईं। पढ़ाई के साथ-साथ वह अभिनय करती रहीं और धीरे-धीरे फिल्मी दुनिया का जाना-पहचाना चेहरा बन गईं। बतौर लीड एक्ट्रेस उर्मिला को असली पहचान साल 1995 में आई फिल्म रंगीला से मिली। इस फिल्म ने उनकी पूरी किस्मत बदल दी। आमिर खान और जैकी श्रॉफ जैसे बड़े सितारों के बीच भी उर्मिला सबसे यादा चर्चा में रहीं। उनके डांस, आत्मविश्वास और नए अंदाज ने दर्शकों को दीवाना बना दिया। इसी फिल्म के बाद वह रंगीला गर्ल कहलाने लगीं। रंगीला को कई बड़े पुरस्कार मिले और उर्मिला को भी सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री का सम्मान मिला। रंगीला के बाद उर्मिला ने पीछे मुड़कर नहीं देखा। सत्या, कौन, मस्त, दौड़ जैसी फिल्मों में उन्होंने अलग-अलग तरह के किरदार निभाए। वह सिर्फ ग्लैमर तक सीमित नहीं रहीं, बल्कि उन्होंने गंभीर और सशक्त भूमिकाओं में भी खुद को साबित किया। एक समय ऐसा आया जब उनकी फिल्मों की सफलता के कारण वह कई फिल्मों में अपने हीरो से यादा फीस लेने लगी थीं। सबसे चौंकाने वाला फैसला तब आया, जब उर्मिला ने अपने करियर के पीक पर ही फिल्मों से दूरी बना ली। जिस उम्र में अभिनेत्रियां अपने करियर को और मजबूत करती हैं, उसी उम्र में उर्मिला ने कैमरे से पीछे हटना चुना। यह फैसला न तो किसी मजबूरी का नतीजा था और न ही असफलता का, बल्कि उनकी अपनी सोच और मानसिक शांति से जुड़ा हुआ था।

फिल्मों से दूर होने के बाद उर्मिला ने साल 2016 में मोहसिन अख्तर मीर से शादी की। बाद में उन्होंने राजनीति में भी कदम रखा और सामाजिक मुद्दों पर खुलकर अपनी बात रखी। हालांकि, राजनीति में उन्हें वैसी सफलता नहीं मिली, जैसी फिल्मों में मिली थी, लेकिन उन्होंने अपनी पहचान खुद तय की।

तालियों से नहीं, उसूलों से खेलती हैं निक्की तंबोली

जब रियलिटी शो में रणनीति अक्सर समझौते का दूसरा नाम बन जाती है, तब कुछ चेहरे ऐसे भी होते हैं जो भीड़ के साथ बहने के बजाय अपनी अलग लकीर खींचते हैं। '50' के घर में कदम रखते ही निक्की तंबोली ने वही किया, जिसकी उनसे उम्मीद भी थी और शायद डर भी। पहले ही दिन उन्होंने साफ कर दिया कि वह किसी को खुश करने, समीकरण साधने या मंज़ूरी पाने नहीं आई हैं—वह आई हैं अपने सच, अपने सिद्धांतों और अपने आत्मसम्मान के साथ खेलने। यह सिर्फ एंट्री नहीं थी, बल्कि एक स्टेटमेंट था। जहां बाकी कंटेस्टेंट्स माहौल को परखने, रिश्तों की गणित समझने और अपनी बातों को सुरक्षित दायरे में रखने में लगे थे, वहीं निक्की ने ईमानदारी को अपनी सबसे बड़ी ताक़त बना लिया। अपनी बेबाक सोच और निडर व्यक्तित्व के साथ निक्की ने साफ शब्दों में यह जता दिया कि उनके लिए स्वीकार्यता से ज़्यादा ज़रूरी आत्मसम्मान है। उन्होंने न तो अपनी राय को नरम किया और न ही भीड़ के दबाव में आकर अपने मूल्यों से समझौता किया। उनके हर फैसले में स्पष्टता थी—और यही स्पष्टता उन्हें बाकी सभी से अलग खड़ा करती है। निक्की अच्छी तरह समझती हैं कि लीडरशिप हर किसी को खुश रखने में नहीं, बल्कि सही के साथ खड़े होने में होती है, भले ही वह रास्ता मुश्किल क्यों न हो। पहले ही दिन उन्होंने दिखा दिया कि खोखली डिप्लोमेसी से मिलने वाली अस्थायी तालियों से कहीं ज़्यादा अहमियत उस सम्मान की है, जो सच्चाई के साथ चलने से मिलता है। एक ऐसे गेम में, जहां समझौते को रणनीति और चुप्पी को समझदारी माना जाता है, निक्की तंबोली ने आत्मसम्मान को अपनी सबसे बड़ी रणनीति बना लिया। उन्होंने यह साफ कर दिया कि वह हालात के हिसाब से रंग बदलने नहीं आई हैं, वह अपनी पहचान के रंग को और गाढ़ा करने आई हैं। '50' में निक्की तंबोली की यह शुरुआत सिर्फ एक दिन की कहानी नहीं है, बल्कि आने वाले सफर की झलक है। वह यहां फिट होने नहीं आई हैं, बल्कि अपने उसूलों के साथ लीड करने आई हैं। और यही निडरता, यही ईमानदारी उन्हें इस सीज़न की सबसे प्रभावशाली और देखने लायक शख्सियत बना देती है।

भविष्य की कहानी लिखने को तैयार है सिप्पी फिल्म्स

जब कोई नाम सिर्फ़ फिल्म नहीं, बल्कि पूरी पीढ़ियों की यादों का हिस्सा बन जाए—तो उसका हर नया कदम इतिहास और भविष्य के बीच एक सेतु बन जाता है। शोले, सीता और गीता और शान जैसी कालजयी कृतियों की जनक सिप्पी फिल्म्स अब एक बार फिर सुर्खियों में है। इस बार वजह है एक सुनियोजित पुनर्गठन, कैरेक्टर आईपी आधारित विज़न और संस्थागत निवेश के साथ एक नई शुरुआत। शहज़ाद सिप्पी के नेतृत्व में और कुबेरन्स टेक वेंचर्स के रणनीतिक सहयोग से, सिप्पी फिल्म्स भारतीय सिनेमा के भविष्य की ओर एक सशक्त कदम बढ़ा रही है। शहज़ाद सिप्पी की कस्टोडियनशिप में स्टूडियो ने खुद को कैरेक्टर आईपी-लेड कंटेंट कंपनी के रूप में पुनर्स्थापित करने की प्रक्रिया शुरू की है। इस परिवर्तन को मजबूती मिली है कुबेरन्स टेक वेंचर्स प्राइवेट लिमिटेड के रणनीतिक निवेश से, जिसकी सह-स्थापना जीत वाघ ने की है। हालांकि निवेश का मूल्य सार्वजनिक नहीं किया गया है, लेकिन इसका संकेत साफ़ है, यह एक दीर्घकालिक और विश्वास-आधारित साझेदारी है। शहज़ाद सिप्पी के अनुसार, हम फिलहाल नई और चुनिंदा विरासती ढ्ढक्क्क्र को फिल्म और एनिमेशन फॉर्मैट्स में विकसित करने पर फोकस कर रहे हैं। कुबेरन्स की प्रतिबद्धता हमें एक लंबी और प्रतिस्पर्धी दृष्टि के साथ सिप्पी फिल्म्स को एक अग्रणी कैरेक्टर ढ्ढक्क स्टूडियो के रूप में गढ़ने का अवसर देती है। उनका लक्ष्य है एक ऐसा सस्टेनेबल स्टूडियो मॉडल, जहाँ कहानियाँ, किरदार और उनकी दुनिया समय के साथ सोच-समझकर विकसित हो सकें। तेज़ी से बदलते एंटरटेनमेंट परिदृश्य में—जहाँ प्लेटफॉर्म्स और दर्शकों की पसंद लगातार विकसित हो रही है, सिप्पी फिल्म्स की यह रणनीति विरासत और नवाचार के बीच संतुलन साधती नज़र आती है।

घूसखोर पंडत विवाद पर मनोज बाजपेयी ने तोड़ी चुप्पी, बोले- लोगों की भावनाओं का करता हूं सम्मान

नेटफ्लिक्स की आगामी वेब सीरीज घूसखोर पंडत रिलीज होने से पहले ही विवादों में घिर गई है। विवाद की वजह इसका टाइटल है, जिसे लेकर ब्राह्मण समुदाय के कुछ वर्गों ने आपत्ति जताई है। मामला इतनी तेजी से आगे बढ़ा कि दिल्ली हाई कोर्ट में याचिका, लखनऊ में एफआईआर और देश के अलग-अलग हिस्सों में विरोध प्रदर्शन तक पहुंच गया। इसी बीच अब इस पूरे विवाद पर सीरीज के मुख्य अभिनेता मनोज बाजपेयी ने अपनी चुप्पी तोड़ी है। उन्होंने फिल्ममेकर नीरज पांडे के आधिकारिक बयान को शेयर करते हुए सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर अपनी बात रखी है।
मनोज बाजपेयी ने अपने पोस्ट में सबसे पहले लोगों की भावनाओं को सम्मान देने की बात कही। उन्होंने लिखा, लोगों ने जो भावनाएं और चिंताएं साझा की हैं, मैं उनका सम्मान करता हूं और उन्हें गंभीरता से लेता हूं। जब आप किसी ऐसी चीज का हिस्सा होते हैं जिससे कुछ लोगों को ठेस पहुंचती है, तो वह आपको रुककर सोचने और सुनने के लिए मजबूर करती है।

एक अभिनेता के तौर पर मैं किसी फिल्म या सीरीज से अपने किरदार और कहानी के माध्यम से जुड़ता हूं। मेरे लिए यह एक कमियों से भरे व्यक्ति और उसकी आत्मबोध की यात्रा को दर्शाने का प्रयास था। इसका उद्देश्य किसी भी समुदाय के बारे में कोई बयान देना नहीं था।
मनोज बाजपेयी ने अपने पोस्ट में निर्देशक नीरज पांडे के साथ अपने लंबे अनुभव का भी जिक्र किया। उन्होंने लिखा, नीरज पांडे के साथ काम करते हुए मैंने हमेशा यह देखा है कि वे अपनी फिल्मों को लेकर गंभीरता और सावधानी बरतते हैं। जनभावनाओं को देखते हुए फिल्म के मेकर्स ने सभी प्रमोशनल मटेरियल को हटाने का फैसला लिया है।
विवाद तब शुरू हुआ जब नेटफ्लिक्स के नेक्स्ट ऑन नेटफ्लिक्स इवेंट में घूसखोर पंडत का फर्स्ट लुक और टीजर सामने आया। इसके तुरंत बाद फिल्म के टाइटल को लेकर आपत्तियां उठने लगीं। आलोचकों का कहना था कि घूसखोर जैसे नकारात्मक शब्द के साथ पंडत शब्द का इस्तेमाल ब्राह्मण समुदाय की छवि को ठेस पहुंचाता है। इसके बाद मुंबई के एक वकील ने लीगल नोटिस भेजा, दिल्ली हाई कोर्ट में याचिका दायर हुई, और उत्तर प्रदेश के लखनऊ में एफआईआर भी दर्ज की गई। भोपाल समेत कई शहरों में विरोध प्रदर्शन हुए और फिल्म पर बैन की मांग की गई।

विवाद बढ़ने के बाद निर्देशक नीरज पांडे ने भी आधिकारिक बयान जारी कर साफ किया कि यह एक पूरी तरह काल्पनिक पुलिस ड्रामा है और पंडत शब्द सिर्फ एक फिक्शनल किरदार का बोलचाल का नाम है। उन्होंने माना कि टाइटल से कुछ लोगों को ठेस पहुंची है और इसी कारण फिलहाल सभी प्रमोशनल सामग्री हटाने का फैसला लिया गया है।

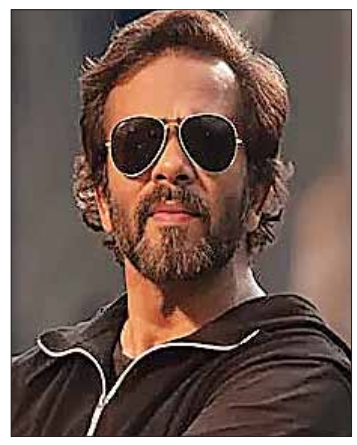

रोहित शेट्टी फायरिंग से फैला बॉलीवुड में खौफ, पांच बड़ी हस्तियों को मिली धमकी

मुंबई की फिल्म इंडस्ट्री एक बार फिर डर और दहशत के साए में है। जेल में बंद कुख्यात गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई के करीबी सहयोगी और फरार अपराधी शुभम लोनकर का नाम सामने आने के बाद पुलिस सतर्क हो गई है। मुंबई पुलिस के सूत्रों के मुताबिक, शुभम लोनकर ने बॉलीवुड की कम से कम पांच बड़ी हस्तियों को निशाने पर लिया है और उनसे रंगदारी वसूलने के लिए धमकी भरे कॉल किए गए हैं। हालांकि, डर के माहौल के चलते अभी तक किसी भी फिल्मी हस्ती ने पुलिस में शिकायत दर्ज नहीं कराई है। दरअसल, पिछले रविवार को मशहूर फिल्म निर्देशक रोहित शेट्टी के जुहू स्थित बंगले पर फायरिंग की गई थी। मामले में मास्टरमाइंड के तौर पर शुभम लोनकर का नाम सामने आया। इस घटना ने पूरे फिल्म जगत को हिला कर रख दिया। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया कि पुलिस को खुफिया जानकारी मिली है कि कई फिल्मी सितारों को धमकी भरे फोन कॉल आए हैं, लेकिन किसी ने भी सामने आकर शिकायत दर्ज नहीं कराई है। ऐसे में पुलिस के लिए खुद से कार्रवाई करना बेहद मुश्किल है। इस बीच, शुभम लोनकर की एक सोशल मीडिया पोस्ट भी पुलिस के हाथ लगी है। इस पोस्ट में उसने खुले तौर पर रोहित शेट्टी को धमकी दी थी। पोस्ट में लोनकर ने लिखा, राम-राम, जय बजरंग बली। हमने रोहित शेट्टी को कई बार मैसेज कर हमारे काम में दखल न देने को कहा था, लेकिन वह नहीं समझे। यह तो सिर्फ 'ट्रेलर' था। अगर अब भी नहीं माने, तो अगली गोली घर के बाहर नहीं, सीधे उनके सीने में लगेगी। यह पूरी बॉलीवुड इंडस्ट्री को चेतावनी है, वक्त रहते सुधर जाओ। हालांकि, खुद रोहित शेट्टी ने पुलिस को बताया है कि उन्हें किसी भी तरह का धमकी भरा कॉल या मैसेज नहीं मिला है। क्राइम ब्रांच की कई टीमें देश के अलग-अलग हिस्सों में शूटर की तलाश कर रही हैं।

बैड बनी की जीत पर उर्वशी रौतेला का ग्लोबल सलाम

जब संगीत भाषा की दीवारें तोड़कर दिलों तक पहुँचता है, तब वह सिर्फ़ अवॉर्ड नहीं जीतता, इतिहास रचता है। 2026 ग्रैमी अवॉर्ड्स में बैड बनी की ऐतिहासिक जीत ने इसी सच्चाई को दुनिया के सामने रख दिया। स्पैनिश-भाषा एल्बम Deb Tirar MÆs Fotos के साथ एल्बम ऑफ द ईयर जीतकर उन्होंने न सिर्फ़ ग्रैमी का सबसे बड़ा सम्मान हासिल किया, बल्कि वैश्विक मंच पर सांस्कृतिक प्रतिनिधित्व की नई मिसाल भी कायम की। इस ऐतिहासिक पल पर भारत की ग्लोबल स्टाइल आइकन उर्वशी रौतेला ने भी दिल से जश्न मनाया। इंस्टाग्राम पर साझा किए गए उनके भावुक संदेश ने यह साबित कर दिया कि सच्ची कला सीमाओं, भाषाओं और इंडस्ट्रीज़ से ऊपर होती है। उर्वशी का यह समर्थन सिर्फ़ एक बधाई नहीं, बल्कि उस वैश्विक एकजुटता का प्रतीक है जहाँ अलग-अलग संस्कृतियों के कलाकार एक-दूसरे की उपलब्धियों को सेलिब्रेट करते हैं। इस पूरे पल में उर्वशी रौतेला का संदेश एक सेतु बनकर उभरा, जिसने बताया कि जब जुनून और प्रतिभा मिलते हैं, तो दुनिया एक सुर में तालियाँ बजाती है।

युवाओं के साथ काम कर खुद को जवान महसूस करता हूं : अनिल कुमार

नेटफ्लिक्स के कार्यक्रम में वेब सीरीज फैमिली बिजनेस की स्टार कास्ट ने शिरकत की। इस दौरान अभिनेता विजय वर्मा और अनिल कपूर ने फिल्म के कलाकारों और टीम की तारीफ की। अभिनेता विजय वर्मा ने कार्यक्रम के दौरान अपनी खुशी जाहिर की। उन्होंने कहा, यह मेरे लिए बहुत खास है। मुझे अपने फेवरेट डायरेक्टर हंसल मेहता के साथ पहली बार काम करने का मौका मिला है। हंसल ने कमाल का काम किया है। उनका काम करने का तरीका बिल्कुल लेटेस्ट है। इस सीरीज में मेरा किरदार बेहद शानदार है। इसमें मैंने पहली बार विक्रम के साथ काम किया है और अनिल तो एवरग्रीन है ही। हमेशा उदार, सबसे डैशिंग, सबसे शानदार और सबसे कम उम्र के एक्टर जिनके साथ मैंने काम किया। उनकी एनर्जी और काम के प्रति जोश देखकर मजा आता है। रिया और नंदीश के साथ भी पहली बार शूटिंग की और बहुत मस्ती हुई। इस प्रोजेक्ट में कई पहली बार वाली चीजें हुईं। अभिनेता अनिल कपूर ने भी अपनी खुशी जाहिर की। सबसे पहले उन्होंने शो की होस्ट जॉनी लिवर की बेटी जैमी लिवर के काम की तारीफ की। उन्होंने कहा, जैमी, मैं आपका बहुत बड़ा फैन हूं। याद है, मैंने आपको सबसे पहले कॉल किया था, जब आपने करियर भी शुरू नहीं किया था। इसके बाद अभिनेता ने टीम की सराहना करते हुए कहा, यहां मौजूद सभी लोग, विजय, हंसल, विक्रम, प्रोड्यूसर, मेरा पुराना दोस्त आकाश और बाकी सभी कलाकार।

काशिका कपूर ने 15 आवारा कुत्तों को गोद लिया

शोहरत की चकाचौंध में अक्सर दिल की आवाज़ दब जाती है, लेकिन कुछ लोग ऐसे भी होते हैं जो कैमरों से दूर, खामोशी में इंसानियत के सबसे बड़े काम कर जाते हैं। अभिनेत्री काशिका कपूर ने कुछ ऐसा ही किया। 15 आवारा कुत्तों को गोद लेकर न सिर्फ़ उन्हें एक घर दिया, बल्कि अपने घर की पूरी एक मंज़िल उनके नाम कर दी। यह कहानी किसी स्टारडम की नहीं, बल्कि उस करुणा की है जो बिना शर्त प्यार को जीवन का मकसद बना लेती है। काशिका ने यह साबित कर दिया कि असली स्टार वही है, जो ज़िंदगियों को रोशनी दे सके।
काशिका का जानवरों के प्रति प्यार कोई नया नहीं है। उनके करीबियों का कहना है कि यह संवेदनशील सफर उनके अपने पालतू कुत्ते गुच्ची से शुरू हुआ था। एक साथी के साथ बने रिश्ते ने धीरे-धीरे एक ऐसे मिशन का रूप ले लिया, जिसमें सड़कों पर अनदेखे रह जाने वाले जानवरों को सुरक्षा, सम्मान और प्यार देना शामिल है।
अभिनेत्री ने यह सुनिश्चित किया है कि इन कुत्तों को सिर्फ आश्रय ही नहीं, बल्कि पूरी देखभाल मिले—खुलकर घूमने की जगह, सही मेडिकल ट्रीटमेंट, पौष्टिक आहार और सबसे बढ़कर भरपूर स्नेह। अपने फैसले के बारे में बात करते हुए काशिका कपूर ने भावुक शब्दों में कहा, जानवरों के लिए मेरा प्यार गुच्ची से शुरू हुआ, जिसने मुझे बिना शर्त प्यार का असली मतलब सिखाया।
जब आप एक बार वह एहसास महसूस कर लेते हैं, तो ज़रूरतमंदों को नज़रअंदाज़ करना नामुमकिन हो जाता है। ये कुत्ते मेरे लिए आवारा नहीं हैं—ये मेरा परिवार हैं। अगर मैं इन्हें सुरक्षा, अपनापन और प्यार दे सकती हूं, तो इससे बड़ा सुकून कुछ नहीं। काशिका कपूर का यह कदम एक मजबूत संदेश देता है- जब करुणा दिल से आती है, तो उसकी कोई सीमा नहीं होती। आज उनका घर सिर्फ एक निवास नहीं, बल्कि एक ऐसा अभयारण्य बन चुका है, जिसकी नींव एक पालतू कुत्ते गुच्ची से शुरू हुए प्यार पर रखी गई है, जो अब कई और ज़िंदगियों की सुरक्षा का वादा बन गया है।

प्रकाशक, मुद्रक एवं स्वामी : श्री शिवम ग्रोवर, मुद्रक : इंप्रेशन प्रिंटिंग प्रेस एंड पैकेजिंग लिमिटेड, भूतल प्लांट नं.-22, प्रथम तल, औद्योगिक क्षेत्र, फेज-2, पंचकूला में मुद्रित। प्रकाशन स्थल : पंचकूला ऑब्जर्वर, प्लॉट नं.-365, औद्योगिक क्षेत्र, फेज-1, पंचकूला। मुख्य संपादक : श्री अरुण ग्रोवर, समाचार चयन एवं प्रकाशन की समस्त जिम्मेदारी प्रेस एवं रजिस्ट्रेशन ऑफ पीरियोडिकल्स (PRP) एक्ट के अंतर्गत पंचकूला न्यायालय क्षेत्राधिकार में निहित होगी। RNI पंजीकरण संख्या : HRB/L/25/A3417 संपर्क मोबाइल : 98888-86909, ई-मेल : panchkulaobservernews@gmail.com